हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 73 जौनपुर, शुक्रवार 08 दिसम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

देश में सबसे पसंदीदा पार्टी है बीजेपी,तीन राज्यों में जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत का नतीजा :पीएम

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज को चुनावी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासन के लिए लोगों की सबसे पसंदीदा पार्टी बन गई हैक्योंकि सत्ता में रहते हुए चुनाव जीतने का उसका रिकॉर्ड कांग्रेस से काफी बेहतर है। भाजपा संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने हालिया विधानसभा चुनावों में पार्टी की बड़ी जीत का श्रेय 'टीम भावना को दिया और कहा कि तीन राज्यों में जीत के अलावा तेल ंगाना और मिजोरम में भी पार्टी की ताकत बढ़ी है।संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मोदी को उद्घृत करते हुए संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस ने उन राज्यों में एक कार्यकाल के लिए सत्ता में रहते हुए 40 बार विधानसभा चुनावों का सामना किया और उनमें से केवल सात में जीत दर्ज कर सकी। मोदी ने कहा कि भाजपा के लिए ये आंकड़े 39 में से 22 गुना हैं, यानी सफलता दर 56 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस से बेहतर प्रदर्शन किया है, लेकिन वे भाजपा से बेहतर नहीं कर सके क्योंकि उन्होंने सत्ता में रहते हुए 36 में से 18 बार जीत हासिल की और 50 प्रतिशत की सफलता दर हासिल की। उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि भाजपा सरकार चलाने के लिए सबसे पसंदीदा पार्टी है। इससे पहले, संसदीय दल की बैठक में हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में पार्टी के शानदार प्रदर्शन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जोरदार स्वागत किया गया। विधानसभा चुनावों में भाजपा ने मध्य प्रदेश में अपनी सत्ता बरकरार रखी वहीं कांग्रेस को राजस्थान और छत्तीसगढ़ की सत्ता से बाहर कर दिया। तेलंगाना में भी पार्टी ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। संसद भवन परिसर में हो रही इस बैठक में प्रधानमंत्री के पहुंचते ही भाजपा सांसदों ने खड़े होकर तालियां बजाईं और स्वागत है भाई स्वागत है, मोदी जी का स्वागत है के नारे लगाए। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच प्र ानमंत्री को माला पहनाकर उनका स्वागत किया। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल सहित कई केंद्रीय मंत्री और पार्टी के सांसद मौजूद थे। भाजपा संसदीय दल की बैठक में पार्टी के सभी लोकसभा सदस्य और राज्यसभा सदस्य शामिल होते हैं। अमूमन यह बैठक सत्र के दौरान प्रत्येक मंगलवार को होती है लेकिन इस सप्ताह मंगलवार को यह बैठक नहीं हो सकी थी। बैठकों में मोदी सहित भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेता संसदीय एजेंडे और पार्टी के संगठनात्मक एवं राजनीतिक अभियानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखते हैं।

प्रियंका गांधी ने की गाजा पर `निर्मम बमबारी' की निंदा, सरकार को कहा–सही का साथ दें

एजेंसी

नयी दिल्ली।कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने गाजा पर ''निर्मम तरीके से जारी बमबारी की आलोचना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अंतर राष्ट्रीय समुदाय का एक सदस्य होने के नाते यह भारत का कर्तव्य है कि वह सही का साथ दें और जल्द से जल्द संघर्ष विराम सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करें। कांग्रेस महासचिव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्सश पर किए एक पोस्ट में कहा कि भारत हमेशा सही के साथ खड़ा हुआ है और आजादी के लिए फल स्तीनी लोगों के लंबे संघर्ष की शुरु आत से ही उनका समर्थन करता रहा है।उन्होंने कहा, ''गाजा पर निर्मम बमबारी युद्धविराम से पहले से भी अधिक बर्बरता के साथ जारी है। खाद्य आपूर्ति की किल्लत है, चिकित्सा सुविधाओं को नष्ट कर दिया गया है और मूलभूत सुविधाओं को भी बंद कर दिया गया है। प्रियंका ने कहा कि एक पूरा देश खत्म किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि तकरीबन 10,000 बच्चों, 60 से अधि ाक पत्रकारों और सैकड़ों चिकित्सा कर्मियों समेत 16,000 निर्दोष नागरिकों की हत्या की गयी है। उन्होंने कहा, ''इन लोगों के भी हमारी तरह सपने और उम्मीदें हैं। हमारी आंखों के सामने ही उन्हें बेरहमी से मौत के घाट उतारा जा रहा है। हमारी मान वता कहां है? कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत अंतर राष्ट्रीय मंच पर हमेशा सही के साथ खड़ा रहा है। उन्होंने कहा, ''हमने दक्षिण अफ्रीका की रंगभेदी सरकार के खिलाफ प्रतिबंधों के लिए लड़ाई लड़ी। हमने फलस्तीन में आजादी के लिए अपने भाइयों और बहनों के लंबे संघर्ष की शुरुआत से ही उनका समर्थन किया है और अब हम धरती से उनका नामोनिशान मिटाने के लिए हो रहे नरसंहार को लेकर कुछ नहीं कर रहे हैं? प्रियंका ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय का एक सदस्य होने के नाते यह भारत का कर्तव्य है कि वह सही का साथ दे। उन्होंने कहा, ''हमें जल्द से जल्द संघर्ष विराम सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। मीडिया में आयी खबरों में हमास शासित गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले

से बताया गया है कि क्षेत्र में मृतकों की संख्या 16,200 को पार कर चुकी है और 42,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं।इजराइल ने हमास आतंक वादियों द्वारा सात अक्टूबर को किए हमले के बाद व्यापक पैमाने पर सैन्य अभियान चलाया है। खबरों के अनुसार, इजराइल में सात अक्टूबर को हमास के हमले के दौरान करीब 1,200 लोग मारे गए थे जिनमें से ज्यादातर नागरिक थे।

भारतीय बैंकों का बढ़ेगा मुनाफा : मूडीज रिपोर्ट

एजेंसी

नयी दिल्ली। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस की एक रिपोर्ट के अनुसार, कम प्रावधान खर्च और ज्यादा यील्ड वाले खुदरा क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि के कारण भारतीय बैंकों के मुनाफे में वृद्धि देखी जा सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यापक एशिया –प्रशांत क्षेत्र में, महामारी से उबरने के दौरान बैंकों का मुनाफा स्थिर होने की उम्मीद है, शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) स्थिर रहने का अनुमान है। यह स्थिरता इसलिए है क्योंकि केंद्रीय बैंकों द्वारा दर वृद्धि को रोके रखा गया है और प्रावधान खर्चों को भी बढ़ने नहीं दिया गया है। हालिया पॉलिसी एडजस्टमेंट के बाद लोन मूल्य निर्धारण में बदलाव के कारण चीनी बैंक ज्यादा संघर्ष कर सकते हैं। चीन की धीमी अर्थव्यवस्था के कारण क्षेत्र में समग्र आर्थिक स्थिति चिंताजनक है, जो कम स्थानीय मांग, खराब निर्यात और संपत्ति बाजार में सुधार जैसे कारकों से प्रभावित है। यह मंदी पूरे क्षेत्र को प्रभावित कर सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन का आर्थिक सुधार धीमा हो रहा है, 2023 में विकास दर 5: और 2024 में 4: होने का अनुमान है। यह मंदी सिर्फ चीन के लिए एक समस्या नहीं हैय यह व्यापक एशिया–प्रशांत क्षेत्र के लिए भी जोखिम पैदा करता है। यह बैंकिंग, लोन क्वालिटी और समग्र आर्थिक स्थिरता जैसी चीजों को प्रभावित कर सकता है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि चीन की जीडीपी 2023 में 5: और 2024 में 4: बढ़ेगी। चीन में धीमी वृद्धि का इस क्षेत्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। भले ही ज्यादातर अर्थव्यवस्थाओं में मजबूत समग्र विकास की उम्मीद है, लेकिन उन लोगों के लिए जोखिम हैं जिनके पास बहुत ज्यादा होम लोन और रियल एस्टेट में निवेश है। इससे ऋण की समस्या और ज्यादा बढ़ सकती है। विशेष रूप से चीनी बैंक, आर्थिक मंदी और संपत्ति डेवलपर्स के बीच चुनौतियों के कारण ज्यादा जोखिम हैं। कठिन समय के बावजूद क्षेत्र के बैंकों के पास उतनी ही ध नराशि होने की उम्मीद है। बैंक पैसा कमा रहे हैं और अपने लाभांश का सावधानीपूर्वक प्रबंधन कर रहे हैं, इसलिए उनके पास अपनी संपत्ति बढ़ाने के लिए पर्याप्त पैसा होगा। अधि ाकारी बेसल आईआईआई नियमों का पालन करके बैंकों को मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं। लेकिन हर देश में इसका असर अलग–अलग होता है। रिपोर्ट के मुताबिक, बैंकों के पास जमा राशि से पर्याप्त पैसा है और वे चीजों को सुरक्षित रखने के लिए नियमों का पालन कर रहे हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था में पहली बार विनिर्माण निर्यात को मिली बढ़त :वैष्णव

एजेंसी

नयी दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज दावा किया कि भारत की अर्थव्यवस्था एक ऐति हासिक मोड़ पर पहुंच गयी है जहां निर्यात बाजार में विनिर्माण क्षेत्र ने सेवा क्षेत्र को पीछे छोड़ दिया है और जल्दी ही भारत का निर्यात एक ट्रिलि यन डॉलर के स्तर को पार कर जाएगा। उन्होंने यह भी दावा किया भारत आज हर साल एक करोड़ 80 लाख नये रोजगार अवसर पैदा कर रहा है। श्री वैष्णव ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में ये जानकारियां साझा कीं। श्री वैष्णव ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था एक ऐतिहासिक मोड़ पर पहुंच गयी है। देश में लंबे समय से विनिर्माण यानी मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र को बढ़ावा देने की बात कही जाती रही लेकिन ऐसा हो नहीं पाया था। बीते 40 से 50 साल के दौरान भारत में विनिर्माण लगातार घटता रहा और हम उसकी क्षमता का दोहन नहीं कर पाये। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता प्र ानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मेक इन इंडिया के नारे का मजाक उड़ाते थे और आज हालात खुद उनका ही मजाक उड़ाने लगे हैं। उन्होंने कहा कि आज हम उस स्थिति में पहुंच गये हैं जब हमारा निर्यात एक ट्रिलि यन यानी दस खरब डॉलर के करीब पहुंचने वाला है और जल्दी ही हम इस स्तर को पार कर लेंगे। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2022–23 में भारतीय निर्यात 7.62 खरब डॉलर से अधिक का रहा। इसमें से विनिर्माण निर्यात 4.53 खरब डॉलर और सेवा क्षेत्र निर्यात 3.09 खरब डॉलर का रहा। उन्होंने बताया कि पहले हम केवल तीन चार वस्तुओं का भी निर्यात करते थे। अब निर्यात करने वाली वस्तुओं की सूची भी लंबी हो रही है। बीते वर्ष हुए निर्यात में सर्वाधिक 97 अरब डॉलर पेट्रोलियम पदार्थ, 19 अरब डॉलर फार्मा स्युटि कल्स, 12 अरब डॉलर टेलीकॉम उपकरण, 11 अरब डॉलर इलैक्टि कल मशीनरी, 8 अरब डॉलर एल्युमि नियम उत्पाद, 8.7 अरब डॉलर मोटर वाहन एवं कार तथा चार अरब डॉलर के इलैक्ट्रॉनिक्स उपकरण का निर्यात हुआ है। उन्होंने कहा कि जापान, दक्षिण कोरिया, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और चीन आदि विकसित देशों की अर्थव्यवस्था का विस्तार एवं स्थायित्व विनिर्माण क्षेत्र की मजबूती पर ही आधारित रहा है। इसलिए भारत को भी विकसित देशों की श्रेणी में लाने के लिए भारत में विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार बहुत ही महत्वपूर्ण है। प्र ानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मेक इन इंडिया, डिजाइन इन इंडिया, इनोवेट इन इंडिया जैसे मिशनों की बड़ी भूमिका रही है। आज भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता एवं लागत दोनों वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी हैं और इसी से हमारा निर्यात बढ़ रहा है।श्री वैष्णव ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र के मजबूत होने से रोजगार भी तेजी से बढ़े हैं और भविष्य निधि के खातों का अध्ययन करें तो पाएंगे कि पहले औप चारिक रोजगार छह लाख प्रति माह के स्तर पर था, वह अब 14 से 15 लाख प्रति माह के स्तर पर पहुंच गया है। यानी करीब एक करोड़ 70 से 80 लाख रोजगार सालाना पैदा हो रहे हैं ।

अग्निवीरों के लिए सेना प्रमुख का बड़ा ऐलान, अब ऐसे होंगे आर्मी में नियुक्त....

एजेंसी

पुणे। भारतीय सेना के प्रमुख जन रल मनोज पांडे ने वीरवार को 'अग्निपथ योजना को ''एक उल्लेख नीय मानव संसाधन पद्धति बताते हुए कहा कि इससे सशस्त्र बलों की युवा फौज सुनिश्चित होगी। अग्निपथ योजना को 2022 में शुरू किया गया था। इसके तहत सैनिकों को 4 साल के लिए सशस्त्र बलों द्वारा अग्निवीर के रूप में भर्ती किया जाता है। सेवा के बाद वे अपने समाज में वापस जा सकते हैं और अपनी पसंद का करियर बनाने के लिए अन्य क्षेत्रों में नौकरियां हासिल कर सकते हैं। सेना प्रमुख ने कहा, ''मानव संसाधन प्रबंधन क्षेत्र में अग्निवीर (अग्निपथ) योजना की शुरूआत एक पथ–प्रदर्शक मानव संसाध न भर्ती एवं प्रबंधन पद्धति रही है। यह युवा फौज सुनिश्चित करेगी और तकनीकी रूप से अधिक कुशल एवं पारंगत सैनिकों को विभिन्न पद प्रदान करेगी। जनरल पांडे ने पुणे में कॉलेज ऑफ मिलिट्री इंजीनियरिंग में दीक्षांत समारोह और स्क्रॉल प्रेजेंटेशन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि योजना यह भी सुनिश्चित करती है कि ''श्रेष्ठ में से सर्वश्रेष्ठ को सशस्त्र बलों की मुख्य जनशक्ति के रूप में बरकरार रखा जाए। जनरल पांडे ने कहा कि इकाइयों और उप–इकाइयों में अग्निवीरों का एकीकरण महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका मूल्यांकन और सेवा में बनाए रखना पूरी तरह से योग्यता पर आध ारित है। उन्होंने ग्रेजुएट अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, ''आप सभी अपनी इकाइयों में जमीनी स्तर पर महत्वपूर्ण हितधारक बनने जा रहे हैं।

शिवराज पहुंचे श्योपुर, कार्यकर्ता सम्मेलन को किया संबोधित

श्योपुर। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में श्योपुर जिले की दोनों सीटें कांग्रेस की झोली में जाने के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज श्योपुर जिले पहुंचे और कार्यक र्ताओं को संबोधित किया। श्री चौहान ने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया और लाड़ली बहना सम्मेलन को भी संबोधित किया। इस दौरान महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यकर्ताओं ने चुनाव में बहुत मेहनत की। उन्होंने पार्टी की जीत को कार्यकर्ताओं को समर्पित किया। साथ ही उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में श्योपुर जिले की दोनों विधानसभा सीटों श्योपुर और विजयपुर पर भाजपा को जिताना है।

नागपुर विधानसभा के बाहर विपक्ष का विरोध प्रदर्शन, किसानों के लिए मुआवजे की मांग

एजेंसी

नागपुर ।आक्रामक रुख अपनाते हुए विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के नेताओं ने गुरुवार को

यहां नागपुर विधान भवन के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। यहां महाराष्ट्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र चल रहा है। एमवीए नेताओं में राज्य कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले, शिवसेना (यूबीटी) के विपक्ष के नेता अंबादास दानवे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) के अनिल देशमुख और अन्य विपक्षी विधायक शामिल थे। उन्होंने सरकार के खिलाफ नारे लगाए और किसानों के लिए न्याय की मांग की। फलों और सब्जियों की माला पहने कई विधायकों ने कहा कि हाल ही में हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसान बर्बाद हो गए हैं, लेकिन सत्तारूढ़ शिवसेना –भारतीय जनता पार्टी –एन सीपी (एपी) की ओर से कोई मदद नहीं मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीमा कंपनियों को समृद्ध किया गया है जबकि किसानों को गरीबी में धकेल दिया गया है और वे बेबसी के आंसू बहा रहे हैं।एमवीए नेताओं ने किसान समर्थक और सरकार विरोध ी नारों वाली काली तख्तियां लहराई और सरकार से राज्य के 15 से अधि ाक जिलों में बुरी तरह प्रभावित हुए किसानों के ष्आँसू पोंछने का आह्वान किया, ताकि उन्हें बर्बाद होने से बचाया जा सके। नवंबर के अंत और इस महीने की शुरुआत में महाराष्ट्र के कई हिस्सों में बेमौसम बारिशध ओलावृष्टि हुई थी, जिससे अनुमानित 1.25 लाख हेक्टेयर में खड़ी फसलें बर्बाद हो गईं। दाल, अनाज, सब्जियों, फलों और नकदी फसलों की खड़ी फसलें इससे प्रभावित हुईं।

अमेरिका के आरोप पर भारत ने जांच समिति बनायी : जयशंकर

एजेंसी

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरूवार को राज्यसभा को बताया कि भारत ने अमेरिका के उस आरोप की जांच के लिए एक जांच समिति का गठन किया है जिसमें अमेरिका ने उसके यहां एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या की साजिश में एक भारतीय का हाथ बताया है। श्री जयशंकर ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के जवाब में कहा कि अमेरिका ने इस मामले में भारत के साथ संगठित अपराधों और कुछ अन्य गतिविधियों के बारे में ऐसी जानकारी साझा की है जो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी है और भारत के लिए चिंता का विषय है। इसीलिए इस मामले की जांच के लिए एक जांच समिति का गठन किया गया है।

कनाड़ा द्वारा भी इसी तरह का आरोप लगाये जाने से संबंधित सवाल के जवाब में विदेश मंत्री ने कहा कि कनाड़ा ने इस संबंध में अब तक किसी तरह का पुख्ता सबूत नहीं दिया है इसलिए इस मामले में आगे कार्रवाई नहीं की जा सकती।एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वह स्वयं और कुछ अन्य केन्द्रीय मंत्री विदेशों में 'ओवरसीज फ्रेन्डस ऑफ बीजेपी' के कार्य क्रम में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री जब भी विदेशों में जाते हैं तो वे वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों से मिलते हैं। वे लोग भारत की प्रतिष्ठा बढा रहे हैं इसलिए उनसे मंत्री मिलते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन सच्चाई यह भी है कि मंत्री पहले अपना कार्य करते हैं और जिम्मेदारी पूरी करने के बाद भारतीय समुदाय के लोगों से मिलते हैं।

विधायकों की सुरक्षा के लिए 500 जवानों की तैनाती

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सभी 90 नवनिर्वाचित विधायकों और पूर्व विध ायकों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पीएसओ को तैनात किया गया है इसमें नक्सल प्रभावित बस्तर और सरगुजा से लेकर अन्य स्थानों से पहली बार निर्वाचित विधायक शामिल हैं। इसके लिए विशेष रुप से प्रशिक्षित जिला बल के 500 जवानों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बताया जाता है कि विधानसभा चुनाव के पहले ही निर्वाचित विधायकों को तत्काल सुरक्षा उपलब्ध कराने के निर्देश सभी जिलों के एसपी को दिए गए थे। वहीं चुनाव में हारने वाले और पूर्व विधायकों की सुरक्षा को आगामी आदेश तक यथावत रखने कहा गया था। बता दें कि राज्य में नई सरकार के गठन के बाद जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध सुरक्षा का गृह विभाग रिव्यू करेगी।गृह विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नई सरकार के गठन के बाद मंत्रियों और विधायको को जरूरत के अनुसार सुरक्षा मिलेगी। मंत्रियों को 2 से 3 और विध ायकों को 1 से 2 पीएसओ को दिया जाएगा। संवेदनशील क्षेत्रों को देखते हुए इसका निर्णय लिया जाएगा। बता दें कि आईबी की रिपोर्ट पर गृहमंत्रालय ने विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के 24 नेताओं की अस्थाई रूप से सुरक्षा बढ़ाई गई थी। पूर्व मुख्यमंत्री अमित जोगी को जेड श्रेणी की सुरक्षा और अन्य 23 नेताओं को एक्स श्रेणी की सुरक्षा दी गई थी। इसे दिसंबर तक यथावत रखने कहा गया था।प्रदेश में पहली बार करीब 38 विधायक पहली बार चुनकर आए है। इन सभी को निर्वाचित होते ही तत्काल सुरक्षा

उपलब्ध कराई गई है। 2023 में हुए चुनाव में भाजपा को 54ए कांग्रेस को 35 और अन्य को 1 सीट मिली हैं।रायपुर प्रचंड मतों से चुनाव जीतने वाले पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के मंत्री और दिग्गज नेता राजेश मूणत फिलहाल पिछली सरकार से अब भी नाराज चले रहे है। इसकी बानगी तब देखें को मिली जब उन्होंने प्रशासन की तरफ से भेजे गए सुरक्षा कर्मियों को वापिस भेज दिया और सिक्युरिटी लेने से इंकार कर दिया। मूणत ने कहा कि फिलहाल उनकी सुरक्षा के लिए उनके कार्यकर्ता ही काफी है।अब उनकी सरकार बनेगी तब उन्हें खुद ही सुरक्षा मिल जाएगी। दरअसल तत्कालीन भूपेश बघेल की सरकार पर मूणत ने आरोप लगाया है कि उनकी सुरक्षा वापिस ले ली गई थी। इसी बात को लेकर वह संभवतरू प्रशासन से नाराज चल रहे है। विधायक चुने जाने के बाद इंटेलिजेंस विभाग प्रदेश के सभी विधायकों और पूर्व मंत्रियों को सुरक्षा मुहैया करा रहा है। इसी सिल सिले में उनके यहाँ भी पुलिस के जवान भेजे गए थे।

श्रीलंकाई नौसेना ने 21 भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंकाई जल क्षेत्र में कथित रूप से प्रवेश कर मछली पकड़ने के आरोप में कम से कम 21 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया तथा उनकी चार नौकाओं को जब्त कर लिया गया। श्रीलंका की नौसेना ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मन्नार और कोविलन के पूर्वोत्तर जल क्षेत्र में बुधवार को भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया। नौसेना ने कहा कि 2023 में उन्होंने श्रीलंकाई जल क्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में 195 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया।

महिला सीएम के नाम पर विचार कर रहा है भाजपा हाईकमान : रेणुका सिंह

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री पद को लेकर नवनिर्वाचित विधायक रेणुका सिंह ने कहा कि पार्टी हाईकमान महिला मुख्यमंत्री पर विचार कर रहा है। इसके साथ ही भाजपा सरकार की प्राथमिकता गिनाते हुए कहा कि हम महिला को केंद्र बिंदु मानकर काम करेंगे। हमारी सरकार में महिलाओं के लिए बहुत अच्छे काम किए जाएंगे।मुख्यमंत्री पद की दौड़ में आगे चल रहीं भरतपुर सोनहत से नवनिर्वाचित प्रत्याशी रेणुका सिंह ने एक चर्चा में कहा कि पूर्ण बहुमत आ गया है, लिहाजा मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कमल फूल छाप का ही विधायक बैठेगा। इसके साथ छत्तीसगढ़ को 5 साल में जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई करने के साथ–साथ हमारी

पार्टी ने जितनी भी घोषणाएं की हैं, सारे संकल्पना को पूरा करेंगे।रेणुका सिंह ने कहा कि महिला सांसद हूं। सांसद होने के नाते प्रधानमंत्री की कैबिनेट में काम कर रही हूं।विध ायक के रूप में जनता से आशीर्वाद मिला, मेरी पहली प्राथमिकता है कि मेरे क्षेत्र का विकास हो। आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री में विजन 2047 में देश को सबसे सशक्त राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। छत्तीसगढ़ इस संकल्प से वंचित न हो जाये, उसे पूरा करने का अधिकार जनता ने दिया है। बस उसे पूरा करने में लग जाएंगे।मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर रेणुका सिंह ने कहा कि मुझे इसके बारे में कुछ नहीं मालूम है।

सम्पादकीय

नई तेलंगाना सरकार की चुनौतियां

कांग्रेस का चेहरा रहे रेवंत रेड्डी तेलंगाना के मुख्यमंत्री बन गए हैं। चुनावों में कांग्रेस को बहुमत हासिल होने के बाद रेवंत रेड्डी ही मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे चल रहे थे। अंततः कांग्रेस हाईकमान ने उनके नाम पर मोहर लगा दी। रेवंत रेड्डी ने राजनीति की शुरूआत छात्र जीवन में ही कर दी थी। उन्होंने भाजपा के छात्र विंग अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जरिये राजनीति में एंट्री मारी थी। ग्रेजुएशन के बाद वह चन्द्रबाबू नायडू की तेलगूदेशम पार्टी में शामिल हो गए थे। 2009 में उन्होंने अविभाजित आंध्र प्रदेश की कोडांगल सीट से विधानसभा का चुनाव जीता था। तेलंगाना के अलग राज्य बनने के बाद वर्ष 2014 में वह टीडीपी की टिकट पर फिर विधायक बने। 2015 में नोट के बदले वोट मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया था। उस समय उन्हें चन्द्रबाबू नायडू का एजेंट बताया गया था। विधान परिषद चुनाव में एक विधायक को टीडीपी के पक्ष में मतदान करने के लिए रिश्वत देने की कोशिश करते हुए वह कैमरे में कैद हो गए थे तब उन्हें हैदराबाद की जेल में भेज दिया गया था। 2017 में रेवंत कांग्रेस में शामिल हो गए थे। कांग्रेस में उनकी शुरूआत अच्छी नहीं रही। क्योंकि 2018 के तेलंगाना विधानसभा चुनावों में वह टीआरएस के उम्मीदवार से हार गए थे। विधानसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस ने उन्हें 2019 के लोकसभा चुनाव में मल्कानगिरि से टिकट दिया, जिसमें वह सिर्फ दस हजार वोटों से ही जीते थे। वर्ष 2021 में उन्हें कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष बना दिया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद महज दो साल में वह कांग्रेस के पोस्टर ब्वाय बन गए। तेलंगाना में कांग्रेस भले ही जीत गई है लेकिन इस जीत के पीछे के. चन्द्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भ्रष्ट और परिवारवादी सरकार के प्रति जनता का विद्रोह माना जाना चाहिए। जनता का विद्रोह वैसा ही रहा जैसे 2011 में पश्चिम बंगाल की जनता ने वामपंथी सरकार के खिलाफ किया था तब तृणमूल कांग्रेस की ममता बैनर्जी ने वर्षों से चले आ रहे वामपंथी शासन को उखाड़ फैंका था। के. चन्द्रशेखर राव भी पहले कांग्रेस में ही थे। इसमें कोई संदेह नहीं कि के. चन्द्रशेखर राव ने राज्य सरकार को अपने परिवार की दुकान बना दिया था और भ्रष्टाचार और घोटालों का बोलबाला हो गया था। राज्य की जनता सामंती सरकार से मुक्ति चाहती थी। जिसका सीधा लाभ कांग्रेस को घमिला। तेलंगाना में कांग्रेसी नेता जीत केद लिए राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा और रेवंत रेड्डी की भूमिका को श्रेय देने में लगे हैं लेकिन चुनाव विशेषज्ञों का कहना है कि तेलंगाना की जीत कांग्रेस की विजय नहीं है बल्कि यह बीआरएस की पराजय है। तेलंगाना में भाजपा का प्रभाव नहीं है इसलिए जब लोगों ने बीआरएस के खिलाफ वोट देने का फैसला किया तो उन्हें लगा कि वो कहां जाएं। उनके सामने केवल कांग्रेस हीद विकल्प था। जब तेलंगाना का निर्माण हुआ था तब उसके पास 7000 करोड़ का अतिरिक्त राजस्व था। आज यह अतिरिक्त राजस्व 7 लाख करोड़ के घाटे में बदल चुका है। तेलंगाना राज्य के लिए आंदोलन के तीन मुख्य कारण थे, नौकरियां, पानी और आर्थिक स्थायित्व। केसीआर सरकार युवाओं को नौकरियां देने में नाकाम रही। केसीआर ने अपने बेटे केटीआर, बेटी कविता और रिश्तेदार हरीश राव और संतोष राव को लेकर सत्ता का केन्द्रीयकरण कर दिया था। यही कारण रहा कि जनकल्याण की अनेक योजनाओं का उन्हें कोई लाभ नहीं मिला। हालांकि केसीआर ने समाज के कई वर्गों के लिए रायथू बंधु और दलित बंधु जैसी कई स्कीमें चलाईं लेकिन जरूरतमंद लोगों को इनका फायदा मिल ही नहीं पाया। किसान, युवा और आदिवासी सरकार से नाराज थे। अब रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली नई कांग्रेस सरकार के सामने बड़ी चुनौतियां हैं। नई सरकार को युवाओं, किसानों और समाज के विभिन्न वर्गों को प्राथमिकता देनी होगी। अगले वर्ष लोकसभा चुनाव होने हैं। इसलिए नई कांग्रेस सरकार को जनता की आकांक्षाएं पूरा करने के लिए बहुत तेजी से काम करना होगा। कांग्रेस ने वादा किया था कि उसने तेलंगाना में सरकार बनाई तो वो हर बेरोजगार युवा को चार हजार रुपये प्रति माह, महिलाओं को ढाई हजार रुपये प्रति माह, बुजुर्गों के लिए चार हजार रुपये प्रति माह पेंशन, किसानों को 15 हजार रुपये सालाना देगी। रेवंत रेड्डी का तेलंगाना की जनता को कांग्रेस की ओर से दी गई गारंटियों को लेकर कहा था।

आज का राशी फल

मेष :– कोई छोटी बात भी परिवार कें तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता नये उत्साह का संचार करेगी। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुर बनेंगे।

बृषभ :– हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व बुद्धिजीवियो से विचार–विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राएं करनी होंगी।

मिथुन :– निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुन्दर छबि बनावें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओ की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा।

कर्क :– भविष्य के प्रति मन में चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा–बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का ठीक डंग से निर्वहन् करें। वर्तमान कार्य से मन में असन्तुष्टि उत्पन्न होगी।

सिंह :– पारिवारिक दायित्वों की चिंता उत्पन्न होगी। स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति ध्यान देवें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित व्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या :– छोटी–छोटी पारिवारिक बातों को बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन सगे–संबंधियों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाएं याद आएंगी।

तुला :– वक्त के साथ समझौता कर चलने की चेष्ठा करें। अपने कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझे और अपने को उसी दिशा की ओर केंद्रित करें। रोजगार में अपनी क्षमता का पूर्ण लाभ उठाएंगे।

वृश्चिक :– जीवन में सही लक्ष्य व सुदृढ़ता को सुनिश्चित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंधी से बिशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होने के आसार हैं।

धनुः– किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धिमत्ता से पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकर :– बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिला–जुला संजोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। घर में खुशहाल स्थिति प्रसन्न रखेगी।

कुंभ :– शासन–सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा।

मीन :– महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्टि पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।

आसमान में सूराख कैसे करेगी कांग्रेस

सर्वमित्रा सुरजन

कांग्रेस को अगर वाकई देश के लोकतंत्र को बचाना है तो उसे जनता को यह समझाना होगा कि छह दिसंबर 1992 को देश ने क्या खोया है। और इसमें केवल भाजपा की बुराई या श्री मोदी का मखौल उड़ाने से काम नहीं चलेगा। कांग्रेस को ये भी साबित करना होगा कि उसके शासन में अभी से बेहतर क्या हो सकता है। छह दिसंबर 1992 का दिन था, जब ऐतिहासिक बाबरी मस्जिद को तोड़कर, भाजपा की सत्ता की नींव देश में मजबूती से रख दी गई थी। अब उस जगह पर भव्य राम मंदिर बन कर लगभग तैयार है, जिसका उद्घाटन कर अगले कई दशकों तक भाजपा अपनी सत्ता को पक्का बना लेना चाहती है। 1956 के बाद 1992 को बाबा अंबेडकर की दोबारा मौत हुई थी। एक बार स्वाभाविक मृत्यु आने के बाद, दूसरी बार बाबा साहब के सपनों को कुचलकर मौत देने से उन्हें कितनी तकलीफ हुई होगी, यह बताने के लिए वे भौतिक तौर पर उपस्थित नहीं हैं। लेकिन आसपास नजर उठाकर देख लीजिए, गैरबराबरी के शिकार लोगों की तकलीफें उसी पीड़ा को अभिव्यक्त करेंगी, जो डॉ.अंबेडकर और पूरी संविधान सभा के लोगों को हुई होगी। छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद प्रत्यक्ष तौर पर तोड़ी गई थी, मगर उसके साथ–साथ संविधान को भी तहस–नहस किया गया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, भाजपा और यहां तक कि कांग्रेस में भी बहुत से लोग होंगे, जो इस दिन को भारत के लिए गौरवशाली मानते होंगे, मगर आने वाली पीढ़ियां शायद इस बात को समझेंगी कि संवैधानिक मूल्यों को सहेज कर न रख पाने की कितनी बड़ी कीमत देश को चुकानी पड़ रही है। अभी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव खत्म हुए हैं और इसके बाद आम चुनाव की चर्चा तेज हो गई है। पांच में से तीन राज्यों में जीत कर भाजपा अब हैट्रिक की बात करने लगी है। ये हैट्रिक तीन राज्यों की जीत की नहीं, बल्कि

सत्ता में लगातार तीसरी बार आने के लिए कही जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने तो इस बार लालकिले से ही ऐलान कर दिया था कि मैं ही अगली बार भी झंडा फहराने आऊंगा। तब विधानसभा चुनाव होने वाले थे और उससे पहले कर्नाटक में भाजपा मात खा चुकी थी, फिर भी श्री मोदी इस तरह के दावे कर रहे थे और अब तो तीन जीतों के साथ यह दावा और पुख्ता हो गया है। हालांकि ये बात तब भी लोकतंत्र के खिलाफ थी और अब भी है कि बिना चुनाव हुए ही, किसी की जीत या सत्ता वापसी की मुनादी कर दी जाए। दरअसल अब चुनाव में प्रचार और रणनीतियां जमीनी तौर पर कम और दिमागी तौर पर अधिक असर करने वाली बनाई जाने लगी हैं। यह हिटलर के सहयोगी गोएबल्स का तरीका है कि किसी झूठ को सौ बार दोहराओ तो वो सच लगने लगता है। इस समय देश में भी झूठ और सच सब आपस में गड्ड–मड्ड हो गए हैं। फिलहाल सच यही है कि छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में कांग्रेस का शोर होने के बावजूद भाजपा जीत गई है। बताया जा रहा है कि इस जीत पर अंदरखाने भाजपा के लोगों को भी यकीन नहीं हो रहा है। मध्यप्रदेश में पिछली बार भी कांग्रेस की जीत हुई थी और उसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत के कारण सत्ता हाथ से निकल गई थी।

कांग्रेस को उम्मीद थी कि इस सत्ता चोरी का जवाब जनता उसके हक में देगी। खुद श्री सिंधिया के साथ गए कई पूर्व कांग्रेसियों ने घरवापसी कर ली थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का नाम लेने से बचते रहे। जब उम्मीदवार खड़े करने की बारी आई तो भाजपा ने सात सांसदों को मैदान में उतारा। इस बीच आदिवासी पेशाब कांड, महाकाल में मूर्तियों का गिरना, तरह–तरह के घोटाले और धांधलियों के कारण भाजपा की छवि खराब हुई। इन सबसे यही समझ आ रहा था कि जीत कांग्रेस को ही मिलने वाली है। लेकिन कांग्रेस की यह उम्मीद झूठी साबित हुई। या तो कांग्रेस अतिआत्मविश्वास और कमलनाथ पर यकीन करने का शिकार हो गई, या फिर जैसा आरोप लगाया जा रहा है ईवीएम की गड़बड़ी के कारण उसे हार मिली। दिग्विजय सिंह और कमलनाथ ईवीएम में धांधलियों की शिकायत कर रहे हैं। लेकिन एक सच ये भी है कि मध्यप्रदेश में नरोत्तम मिश्रा जैसे नेता भी हार गए हैं। तो क्या ईवीएम की गड़बड़ी भी सोच–समझकर की गई है। ईवीएम को लेकर शिकायतें एक साल की बात नहीं है, हर साल, हर चुनाव में ईवीएम पर कई सवाल उठते हैं। चुनाव आयोग इस पर अडिग है कि ईवीएम में छेड़छाड़ नहीं हो सकती। भाजपा भी ईवीएम को लेकर सकारात्मक है, लेकिन कांग्रेस को शिकायत है और उसे लोकतंत्र पर ईवीएम से खतरा दिखाई दे रहा है तो फिर इस पर केवल रोना रोने से बात नहीं बनेगी। कांग्रेस को जमीन पर उतरकर बड़ा आंदोलन करना चाहिए। और इसका भी जिम्मा राहुल गांधी पर न छोड़कर उन नेताओं को सामने आना चाहिए, जिन्होंने सालों–साल कांग्रेस की सत्ता का सुख भोगा है। अन्ना हजारे से और कोई सबक कांग्रेस ने भले न लिया हो, शहीद होने की मुनादी करते हुए आंदोलन खड़ा करने का सबक तो ले ही लेना चाहिए। अन्ना तो गांधी के नाम को भाजपा के हक में इस्तेमाल कर गए और कांग्रेसी हाथ मलते रह गए। ईवीएम की जगह मतपत्रों से चुनाव करवाने की मुहिम छेड़ते हुए अगर अभी से आमरण अनशन पर बड़े कांग्रेस नेता बैठ जाएं, तो क्या इसका असर देश भर में नहीं जाएगा। राहुल गांधी ने तो 4 हजार किमी कदमों से नाप लिए, क्या दूसरे कांग्रेस नेता आमरण अनशन करने का कष्ट नहीं उठा सकते। अगर केवल समय बिताने के लिए शिकायतें करनी हैं, तब तो कोई बात नहीं। लेकिन अगर वाकई सूरत बदलनी है, आसमान में सूराख करना है तो पत्थर तबियत से उछालना ही होगा। मध्यप्रदेश में भाजपा अपनी सत्ता बरकरार रखने के साथ छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी सरकार बनाने में कामयाब हो गई। क्योंकि इन दोनों राज्यों में भी भाजपा को बहुत हल्के तरह से कांग्रेस लेती रही। दिल बहलाने को अब आंकड़े पेश किए जा रहे हैं कि कांग्रेस को मिजोरम छोड़ बाकी चारों राज्य मिलाकर 4,90,77,907 और भाजपा को 4,81,33,463 वोट मिले।

लेकिन जब खेल सीटों की गिनती का है, तो वहां वोटों की गिनती करने से क्या फायदा।

कई बार बुद्धिमान विद्यार्थी सब कुछ जानते हुए भी सही तरह से पांच सवाल हल नहीं करता है और वहीं सामान्य बुद्धि लगाकर कोई औसत छात्र उन्हीं पांच महत्वपूर्ण सवालों पर पूरा ध्यान देकर सही जवाब लिखता है और प्रथम आ जाता है। अब आप शिकायत करते रहिए कि ये उससे होशियार है, लेकिन जहां अंकों की लड़ाई है, वहां अंक ही ज्यादा लाने होंगे, बुद्धि दिखाने से कुछ नहीं होगा। तो मौजूदा राजनीति का एक कड़वा सच यही है कि कांग्रेस अपने गौरवशाली इतिहास, गांधी, नेहरू की विरासत, राहुल गांधी की मेहनत, उनकी जनपक्षधरता सबका लाभ होने के बावजूद जनता की नब्ज पकड़ने वाले मुद्दों को नहीं समझ पाती और भाजपा उन्हीं मुद्दों के आधार पर चुनाव में अधिक सीटें ले आती है। अपनी बुद्धि के कारण प्रथम आने का मौका छात्र ने गंवा दिया और अब भी सही सवाल पर फोकस नहीं कर पा रही है। कांग्रेस को अगर वाकई देश के लोकतंत्र को बचाना है तो उसे जनता को यह समझाना होगा कि छह दिसंबर 1992 को देश ने क्या खोया है। और इसमें केवल भाजपा की बुराई या श्री मोदी का मखौल उड़ाने से काम नहीं चलेगा। कांग्रेस को ये भी साबित करना होगा कि उसके शासन में अभी से बेहतर क्या हो सकता है। राहुल गांधी जिस सामाजिक न्याय की बात करते रहे हैं, उसे कांग्रेस के सभी लोगों को एक साथ पूरे देश में प्रचारित–प्रसारित करने की जरूरत है। राहुल गांधी जिस अहंकार को छोड़ने की सलाह श्री मोदी को देते आए हैं, उस सलाह पर कांग्रेस के भी कई नेताओं को अमल करने की जरूरत है। भाजपा तीसरी बार भी सत्ता में आने का दावा करके मतदान से पहले ही जनता को संदेश दे रही है कि उसका वोट मिले न मिले, सरकार भाजपा की ही बनेगी। ये मामूली चुनौती नहीं है। कांग्रेस केवल शिकायतों के आधार पर इसका मुकाबला नहीं कर पाएगी। पिछले 10 सालों में कांग्रेस ने देख लिया है कि संवैधानिक संस्थाएं, मीडिया और काफी हद तक न्यायतंत्र भी भाजपा के पक्ष में ही झुका हुआ है। तो इस बड़ी चुनौती के लिए जवाब भी बड़ा ही तैयार करना होगा। तीन राज्यों की हार पर मंथन के साथ कांग्रेस यह भी सोचे कि किन वजहों से उसे कर्नाटक और अभी तेलंगाना में जीत मिली। कांग्रेस सोचे कि क्या उन्हीं तरीकों को देशव्यापी तौर पर आजमाया जा सकता है। क्योंकि अब सवाल उसकी जीत का नहीं, लोकतंत्र और संविधान बचाने का भी है।

चुनाव नतीजों के बाद मुख्यमंत्रियों की पसंद पर ध्यान केंद्रित

कल्याणी शंकर

कड़े दल–बदल विरोधी कानूनों के बावजूद, विधायकों को पाला बदलने के लिए बड़ी रकम का प्रलोभन दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर जीतने वाली पार्टी की सरकार गिर जाती है। राजनीतिक दल सरकार छीनने के लिए जरूरी विधायकों को खरीदने के लिए भांति–भांति के हथकंडे अपनाते हैं। भाजपा अपनी सफलता से उत्साहित है और चिंतित भी

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद नये मुख्यमंत्री कौन होंगे, इसे लेकर अटकलें तेज हैं। भाजपा ने तीन और कांग्रेस ने एक राज्य में जीत हासिल की है। मिजोरम में जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) ने सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) को हराकर जीत हासिल की है। हालांकि भाजपा ने उत्तर भारत में खुद को मजबूत कर लिया है, दक्षिण में उसे अभी भी पैर जमाना बाकी है। भाजपा की सफल चुनावी रणनीति ने उसके समर्थकों को एकजुट किया और आंतरिक संघर्षों को कम किया। संसद सदस्यों को उम्मीदवार के रूप में खड़ा करने से पार्टी को तीन प्रमुख राज्यों में आंतरिक तोड़फोड़ को कम करने में मदद मिली। अपने मजबूत स्थानीय नेतृत्व के कारण कांग्रेस को तेलंगाना में बढ़त मिली। पार्टी को कई नेताओं के दलबदल से भी बहुत फायदा हुआ, जो इसे एक व्यवहार्य दावेदार के रूप में देखने लगे, खासकर कर्नाटक में इसकी सफलता के बाद। एक बार जब यह स्पष्ट हो गया कि यह सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) के लिए एक गंभीर चुनौती है, तो मतदाता कांग्रेस की ओर स्थानांतरित हो गये। भाजपा और कांग्रेस ने चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की। दोनों पार्टियों को यह तय करना होगा कि स्थापित नेताओं को जारी रखना है या नये नेतृत्व की तलाश करनी है। कांग्रेस को तय करना होगा कि रेवंत रेड्डी को नियुक्त किया जाये या किसी नये चेहरे को। भाजपा के पास कई संभावित उम्मीदवार हैं, इसलिए मुख्य सवाल यह है कि नये नियमों को कैसे लागू किया जाये। भाजपा वसुन्धरा राजे, शिवराज सिंह चौहान और रमन सिंह जैसे पुराने नेताओं को चरणबद्ध तरीके से बाहर करने के पक्ष में है, जो अपनी पारी खेल चुके हैं। नये उम्मीदवारों का चयन करते समय एक अन्य महत्वपूर्ण कारक उनकी जाति है। जातियों का विविध मिश्रण आवश्यक है, इसे राजपूतों या अगड़ी जातियों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। साथ ही उनके प्रदर्शन को भी ध्यान में रखा जायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2024 के लोकसभा चुनावों में राज्यों के लिए एक उपयुक्त उम्मीदवार चाहते हैं। हैट्रिक लगाने के लिए यह उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उदाहरण के तौर पर मध्य प्रदेश पर नजर डालते हैं। सबसे लंबे

समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्रियों में से एक, शिवराज सिंह चौहान पद पर बने रहने के लिए तैयार हैं। मध्य प्रदेश में एक कार्यक्रम के दौरान, चौहान ने जनता से उनकी राय भी मांगी कि क्या उन्हें निर्वाचित होने पर फिर से मुख्यमंत्री पद के लिए खड़ा होना चाहिए। मध्य प्रदेश में शीर्ष पद के लिए कई संभावित उम्मीदवार हैं। इनमें तीन केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, फग्गन सिंह कुलस्ते और प्रह्लाद पटेल शामिल हैं, जो कई विकल्प प्रदान करते हैं। पार्टी के महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और कमल नाथ सरकार को गिराने में मदद करने वाले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी संभावित उम्मीदवारों की सूची में हैं। राजस्थान में प्रमुख उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे होंगी। केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव और अश्विनी वैष्णव, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मंत्री अर्जुन मेघवाल और महंत बालकनाथ भी दौड़ में हैं।

राजवर्धन राठौड़ राजपूत हैं और कई बार कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। सतीश पूनिया ने राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं जब पार्टी सत्ता से बाहर थी। 2023 की शुरुआत में, ब्राह्मण समुदाय से आने वाले दो बार के सांसद सी.पी. जोशी ने पूनिया की जगह राज्य भाजपा अध्यक्ष पद संभाला। गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, नई पीढ़ी के भाजपा नेता, राजस्थान में मुख्य मंत्री पद के संभावित उम्मीदवार हैं। छत्तीसगढ़ में भी पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह सबसे आगे हैं। 2018 तक 15 वर्षों तक छत्तीसगढ़ पर शासन करने वाले बीएएमएस डॉक्टर रमन सिंह राज्य में पार्टी का सबसे पहचाना चेहरा हैं। 2003 में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बनने से पहले वह केंद्रीय मंत्री थे। हालांकि, पिछले पांच वर्षों में उन्हें दरकिनार कर दिया गया है। विष्णुदेव साव भी मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं। उनकी छवि साफ–सुथरी है वह आरएसएस परिवार से आते हैं और महत्वपूर्ण नेता बनकर उभरे हैं। भरतपुर–सोनहत निर्वाचन क्षेत्र से एक प्रमुख आदिवासी नेता, केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह एक और विकल्प हैं। कांग्रेस को अपनी ओर से तेलंगाना में पार्टी को एकजुट रखने के लिए एक नेता चुनना होगा। बी.आर.एस. के नेता के.चंद्रशेखर राव, अन्य दलों के सदस्यों को लुभाने की अपनी प्रतिभा के लिए जाने जाते हैं। ऐतिहासिक रूप से, कांग्रेस ने अपने झुंड की रक्षा करने की क्षमता खो दी है। यह गोवा, कर्नाटक और अन्य राज्यों में दिखाई दिया। तेलंगाना में रेवंत रेड्डी सबसे संभावित उम्मीदवार हैं। वह मजबूत रेड्डी परिवार से हैं और उनकी कार्यशैली के लिए पार्टी के भीतर से आलोचनाओं के बावजूद उन्हें कांग्रेस नेतृत्व का पूरा समर्थन प्राप्त था। उन्होंने एक छात्र नेता के रूप में ए.बी.वी.पी. से शुरूआत की और शीर्ष पर चले गये।

रेड्डी को विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें 2024 में लोकसभा चुनाव में अधिक सीटें जीतना भी शामिल है। हालांकि, उनके लिए अपनी पार्टी को एकजुट रखना अधिक महत्वपूर्ण है। हाल ही में, अस्थिरता की शुरुआत खरीद–फरोख्त से हो चुकी है, जो सरकार बनने के तुरंत बाद शुरू हो जाती है। कड़े दल–बदल विरोधी कानूनों के बावजूद, विधायकों को पाला बदलने के लिए बड़ी रकम का प्रलोभन दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर जीतने वाली पार्टी की सरकार गिर जाती है। राजनीतिक दल सरकार छीनने के लिए जरूरी विधायकों को खरीदने के लिए भांति–भांति के हथकंडे अपनाते हैं। भाजपा अपनी सफलता से उत्साहित है और चिंतित भी और इसलिए उसने 2024 चुनावों के लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी है। भाजपा के प्रचंड बहुमत के बाद विपक्षी समूह इंडिया स्थिति का आकलन कर रहा है।

किताब के बहाने डॉ कफील को घेरने की कोशिश

साल 2017 में गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के कारण बच्चों की मौत के बाद चर्चा में आए डॉ कफील खान एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उनके और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ उस किताब को लेकर मामला दर्ज किया गया है, जो डॉ कफील ने दो साल पहले द गोरखपुर हॉस्पिटल ट्रेजेडी रू अ डॉक्टर्स मेमॉयर ऑफ अ डेडली मेडिकल क्राइसिस शीर्षक से लिखी और प्रकाशित करवाई थी। लखनऊ के एक व्यापारी मनीष शुक्ला ने पुलिस को की गई अपनी शिकायत में कहा है कि इस किताब के जरिए राज्य सरकार को उखाड़ फेंकने और केंद्र के खिलाफ बातें कही गई हैं। शुक्ला ने आरोप लगाया है, कि लोगों को सरकार के खिलाफ भड़काने और समाज में विभाजन पैदा करने के लिए डॉ. कफील खान द्वारा लिखी गई किताब बांटी जा रही है। भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम के उल्लंघन के तहत दर्ज शिकायत के अनुसार, डॉ. कफील खान की किताब उनके समर्थकों को धन जुटाने और अपनी बेगुनाही साबित करने के लिये बेची जा रही है। एक खबरिया वेबसाइट के मुताबिक मनीष शुक्ला ने बताया है कि उसने चार–पांच लोगों को फोन पर इस साजिश के बारे में चर्चा करते हुए सुना। जबकि दूसरी वेबसाइट ने शिकायत का संदर्भ देते हुए लिखा है कि मनीष शुक्ला 1 दिसंबर को किसी काम से माताजी की बगिया गए थे। वहां गुमटी के पीछे चार–पांच लोग बातचीत कर रहे थे। वे सभी राज्य सरकार, उनके मंत्रियों व वरिष्ठ अफसरों को लेकर अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। वे कह रहे थे कि डॉ कफील ने गुप्त रूप से एक किताब छपवाई है, उसे प्रदेश भर में बांटा जा रहा है। वे लोग को किताब लोकसभा चुनाव से पहले समुदाय विशेष के हर शख्स तक पहुंचाने की बात कर रहे थे और कह रहे थे कि किसी भी कीमत पर सरकार को उखाड़ फेंकना है, चाहे इसके लिए दंगा ही क्यों न करवाना पड़े।श शुक्ला ने कहा कि साजिश करने वाले अपनी बातें सुने जाने की भनक लगते ही मौके से भाग खड़े हुए। इस प्रकरण पर आजाद अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर– जो खुद भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रहे हैं, ने सवाल उठाया है। उन्होंने कहा है कि जानबूझकर परेशान करने के लिए यह एफआईआर दर्ज की गई है और कई ऐसी धाराएं लगाई गई है जो स्वयं मामला दर्ज करने के लिए दी गई तहरीर से ही नहीं बनती हैं। इनमें कूटरचना से जुड़ी धाराएं, 465, 467, 471 और किसी पूजा स्थल को क्षतिग्रस्त करने से जुड़ी धारा 295 शामिल है। श्री ठाकुर ने कहा कि किताब को चोरी–छिपे छपवाये जाने का आरोप भी पूरी तरह गलत दिखाई पड़ता है क्योंकि वह तो ऑनलाइन उपलब्ध है। ऐसा मालूम होता है कि सत्ताधारी पार्टी के विरोध में पुस्तक लिखने के कारण डॉ. कफील के खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया है। कृष्णा नगर थाने के एसएचओ जितेंद्र प्रताप सिंह ने भी कहा कि अभी तक किताब में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला है। आजाद अधिकार सेना के अध्यक्ष और एसएचओ– दोनों के कथन से साफ है कि डॉ. कफील को फिर बलि का बकरा बनाने की कोशिश की जा रही है। वेबसाइट श्द क्विंटश से बातचीत में डॉ कफील खान ने कहा भी कि आप देखिए, चुनाव आ रहे हैं और एक पंचिंग बैग की जरूरत है। वे जाहिर तौर पर फिल्म के लिए शाहरुख खान को तो नहीं छू सकते, लेकिन मेरे खिलाफ तो कार्रवाई कर सकते हैं। मालूम हो कि डॉ. कफील ने कुछ दिन पहले ही शाहरुख खान की फिल्म जवान का एक हिस्सा अपनी किताब से प्रेरित बताया था और उसके लिये शाहरुख को धन्यवाद भी दिया था। ये पहली बार नहीं है जब सरकार से असहमत या उसके विरोधी किसी व्यक्ति के खिलाफ केवल शक या सुनी सुनाई बातों की बिना पर कार्रवाई कर दी गई हो। खुद डॉ कफील अपने कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में महीनों जेल में रहे और फिर अदालत ने बाइज्जत उनकी रिहाई का हुक्म दिया। अभी भी कई मामले उनके खिलाफ चल रहे हैं। सवाल ये है कि उनकी किताब जब दो साल से ऑनलाइन ही सही, बाजार में है और ऐसी है कि उससे किसी सरकार को खतरा पैदा हो सकता है।

पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक गो तस्कर गिरफ्तार पर में लगी गोली

मौके से तमंचा कारतूस वह बाइक पुलिस ने किया बरामद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपर। सिंगरामऊ, खुटहन, सुजानगंज व महराजगंज की संयुक्त पुलिस टीम के साथ गुरुवार देर रात हुई पुलिस मुठभेड़ में 1 शातिर वांछित गो तस्कर गिरफ्तार किया गया है मुठभेड़ के दौरान इसके पैर में गोली लगी है।इसके कब्जे से तमन्चा, कारतुस व चोरी की बाइक बरामद कियाहै। इस मामले में शुक्रवार को जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक निर्देश पर अपराध एंव अपराधियों व वांछित व वारण्टी अभियुक्तों गोतस्कर की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी बदलापुर के नेतृत्व में थानाध्यक्ष सिंगरामऊ, तरुन श्रीवास्तव मय हमराह तथा थानाध्यक्ष खुटहन, अरविन्द कुमार सिंह मय हमराह तथा थानाध्यक्ष सुजानगंज, रोहित मिश्रा मय हमराह एवं थानाध्यक्ष महराजगंज, दिव्यप्रकाश सिंह मय हमराह द्वारा मुखबिर की सूचना पर खुटहन थाना क्षेत्र के सिरकिना पुल से गोवध निवारण अधि0 व 11 पशु क्रुरता अधि0 व 429 भादवि में वांछित सहाबुद्दीन पुत्र जलालुद्दीन निवासी मानीकलां थाना खेतासराय जौनपुर को पुलिस मुठभेड में गिरफ्तार किया है। इस दौरान अपराधी के पैर में गोली भी लगी है इसके पास से एक तमंचा 315 बोर खोखा और कारतूस व बाइक के साथ गिरफ्तार किया गया। घायल को प्राथमिक उपचार हेतु बदलापुर सीएचसी रवाना किया गया जहां से प्राथमिक उपचार उपरान्त जिला चिकित्सालय जौनपुर रेफर कर दिया गया। घटना उपरोक्त के संबंध में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत करते हुए आवश्यक कार्यवाही किया जा रहा है। गिरफ्तार अपराधी के खिलाफ जनपद के विभिन्न स्थानों में लगभग एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं

आपराधिक इतिहास–'

1.मु0अ0सं0– 105/2023 धारा 420/467/468/471/307 भादवि व 3ध्25 आर्म्स एक्ट थाना सिंगरामऊ जनपद जौनपुर ।

2.मु0अ0स0–108/2005 धारा 323/504/324 भादवि थाना खेतासराय जनपद जौनपुर ।

3.मु0अ0सं0– 30/2006 धारा 376/506 भादवि थाना खेतासराय जनपद जौनपुर ।

4.मु0अ0सं0– 984/2010 धारा 3(1) गुण्डा अधिनियम 1970 थाना खेतासराय जनपद जौनपुर ।

5.मु0अ0सं0–712/2015 धारा 3/5/8 गोवध अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम 1960 थाना खेतासराय जनपद जौनपुर ।

6.मु0अ0सं0–622/2015 धारा 448/504/506 भादवि थाना खेतासराय जनपद जौनपुर ।

7.मु0अ0सं0–611/2016 धारा 3/5/8 गोवध व 3,11 पशु क्रूरता अधिनियम थाना खेतासराय जनपद जौनपुर ।

8.मु0अ0सं0–474/2016 धारा 3/5/8 गोवध व 3,11 पशु क्रूरता अधिनियम थाना खेतासराय जनपद जौनपुर ।

9.मु0अ0सं0–213/2016 धारा 3/5।/8 गोवध व 11 पशु क्रूरता अधिनियम थाना खेतासराय जनपद जौनपुर ।

10.मु0अ0सं0–616/2016 धारा 3/5।/8 गोवध व 11पशु क्रूरता अधिनियम थाना खेतासराय जनपद जौनपुर।

11.मु0अ0सं0– 1037/2016 धारा 3/5।/8 गोवध व 3,11 पशु क्रूरता अधिनियम थाना खेतासराय जनपद जौनपुर ।

12.मु0अ0सं0–341/2017 धारा 3(1) गिरोह बन्द समाज विरोधी अधिनियम थाना खेतासराय जनपद जौनपुर।

13.मु0अ0सं0– 253/2023 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना खुटहन जनपद जौनपुर ।

14.मु0अ0सं0– 257/2023 धारा 3/5।/8 गोवध व 11 पशु क्रूरता अधिनियम व 429 भादवि थाना खुटहन जनपद जौनपुर।

राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को दी गई श्रद्धांजलि

करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोगामेड़ी की हत्या दुर्भाग्यपूर्ण: ओमप्रकाश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राजपूत सेवा समिति ने राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी की हत्या पर शुक्रवार को महाराणा प्रताप प्रतिमा स्थल कालीचाबाद में शोक सभा का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर राजपूत सेवा समिति के सदस्य व भाजपा प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि सुखदेव सिंह गोगामेडी की हत्या से पूरे देश का क्षत्रिय समाज आहत है। श्री सिंह ने आगे कहा इनकी हत्या कैसे हुई सभी जानते है इसके लिए अब क्षत्रिय समाज के लोगों को कमर कसकर हत्यारे को सजा दिलाने के लिए लड़ाई लड़नी होगी। आगे उन्होंने कहा कि राजपूत

सेवा समिति व करणी सेना मिलकर एक प्रस्ताव बनाकर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री को ज्ञापन दिया जाएगा।

शशि मोहन सिंह ने कहा कि कहा कि यदि गोगामड़ी के हत्यारों को अविलंब गिरफ्तार नहीं किया जाता है तो इससे समाज में आक्रोश बढ़ेगा। कहा कि गरीब, शोषित और असहाय लोगों की लड़ाई लड़ने वाले राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष की निर्मम हत्या अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

दिनेश सिंह बब्बू ने कहा कि समाज के लिए संघर्ष करते हुई सुखदेव सिंह की हत्या,जब तक कार्यवाही नही होगी तब तक हम चौन से नही बैठेंगे। अधिवक्ता वीरेंद्र सिंह ने कहा कि मेरी कौम अगुवाई के लिए सछम नही है हम संगठित होंगे तो सब सुरक्षित रहेंगे।। इसके बाद सभी ने राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी के फोटो पर पुष्प अर्पित कर श्रध ांजलि दिए। इस मौके पर दिनेश सिंह बब्बू,डॉ एन के सिंह,अधिवक्ता दुष्यन्त सिंह,अधिवक्ता वीरेंद्र सिंह,मुन्ना सिंह,शशि मोहन सिंह, रविन्द्र कुमार सिंह,डॉ सिद्धार्थ सिंह,अजीत सिंह,अभय सिंह,प्रदीप सिंह,राहुल सिंह,शशि सिंह,मनीष सिंह,डॉ संजय सिंह, सिंह,अजय सिंह, अमर बहादुर सिंह,सर्वेश सिंह,संजय सिंह बिशेन,सिद्धार्थ सिंह,सुजीत सिंह समेत समित के अन्य लोग मौजूद रहे।

09 दिसम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 08 दिसम्बर। सिविल जज सी0डि0ध्प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं श्रीमती वाणी रंजन अग्रवाल, माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर के तत्वावधान में 09 दिसम्बर 2023 दिन शनिवार को प्रातः 10:00 बजे से दीवानी न्यायालय परिसर, जौनपुर एवं समस्त तहसील मुख्यालयों पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

इस राष्ट्रीय लोक अदालत में ई–चालान व आर्बिट्रेशन के निष्पादन वाद, प्री–लिटिगेशन (वाद–पूर्व) स्तर पर पारिवारिकध्दाम्पत्य विवाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम वाद, धन वसूली वाद, श्रम एवं सेवायोजन विवाद, विद्युत, जल बिल एवं अन्य प्रकार के बिलों के भुगतानों के विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित), भरण–पोषण वाद तथा अन्य प्रकार के आपराधिक शमनीय व सिविल वाद तथा विभिन्न न्यायालयों में लम्बित आपराधिक शमनीय वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकायें, श्रम एवं सेवायोजन विवाद, विद्युत, जलकर बिल एवं अन्य प्रकार के बिलों के भुगतानों के विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित) पारिवारिक वाद (विवाह विच्छेद सम्बन्धित वादों को छोड़कर), भूमि अधिग्रहण वाद, सेवा में वेतन भत्तों एवं सेवानिवृत्ति परिलाभों से सम्बन्धित विवाद, आपसी सुलह–समझौतें के आधार पर निस्तारित होने वाले समस्त प्रकार के वादों का निस्तारण किया जायेगा।

अतः वादकारी एवं अधिवक्ता गण अपने–अपने वादों से सम्बन्धित न्यायालयों में सम्पर्क स्थापित कर वादों का निस्तारण कराकर लोक अदालत का लाभ उठायें।

आशीष सिंह की सातवीं पुण्यतिथि को अटेवा द्वारा संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अटेवा ने नम आँखों से पेंशन के लिए शहीद डा राम आशीष सिंह को नमन करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। 07 दिसंबर 2016 को पेंशन हेतु अपने प्राण की आहुति देने वाले डा राम आशीष सिंह की सातवीं पुण्यतिथि को अटेवा द्वारा ष्संकल्प दिवसष् के रूप में मनाया गया। जिसमें संगठन द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर उनको नमन कर किया गया। अटेवा जौनपुर के साथियों द्वारा साथियों द्वारा यह संकल्प लिया गया

कि– पेंशन बहाली हेतु अटेवा के साथ हमारा संघर्ष जारी रहेगा पुरानी पेंशन बहाली ही डा० राम आशीष सिंह को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसके लिए अटेवा जौनपुर कृत संकल्पित हैं। अटेवा जौनपुर के साथियों व मातृशक्तियों ने पेंशन बहाली का संकल्प लिया। चंदन सिंह अध्यक्षअटेवा जौनपुर , इंदु प्रकाश यादव जिला महामंत्री अटेवा जौनपुर , रमेश यादव महामंत्री पूर्वांचल विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ,टी एन यादव, धर्मेंद्र देव प्रदेश अध्यक्ष माध्यमिक शिक्षक संघ नवीन डा यामिनी सिंह, आराधना चौहान पूनम जायसवाल, प्रदीप चौहान प्रदीप उपाध्याय सुभाष सरोज प्रमोद प्रजापति ब्रम्ह शील यादव, डा राजेश उपाध्याय, अरबिंद यादव, डा हरे कृष्ण सिंह , संदीप कुमार यादव लालचंद्र यादव ,आशीष यादव, दिनेश यादव आदि लोग मौजूद रहे।

विबग्योर हाई में विवा कंसर्ट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। VIBGYOR स्कूल ने 8 दिसंबर को अपना वार्षिक संगीत कार्यक्रम VIV। मनाया। छात्र विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे नृत्य, नाटक आदि में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। सभी माता–पिता छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हैं। कार्यक्रम बेहद सफल रहा.

विशेष लोक अदालत में 05 मामलों का निस्तारण किया गया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 08 दिसंबर ।सिविल जज सी0डि0ध्प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने अवगत कराया है कि उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व मा0 कार्यपालक अध्यक्ष, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं श्रीमती वाणी रंजन अग्रवाल, जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर के निर्देशन में विशेष लोक अदालत (च्मजजल वमिदबमे) का आयोजन किया गया। उक्त विशेष लोक अदालत में विभिन्न न्यायालयों से कुल 12 वाद चिन्हित किये गये, जिसमें से कुल 05 मामलों में सुलह–समझौतें के आधार पर वादों का निस्तारण किया गया।

जंगल में बढ़ते इंसानी दखल से हिंसक हो रहे वन्य जीव

संवाददाता

बहराइच। जिले के कतर्नियाघाट वन्यजीव विहार के आसपास इंसानी आबादी लगातार बढ़ रही है। इसी दखल का नतीजा है कि जंगली जानवर हिंसक होते जा रहे हैं। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए वन विभाग के पास कोई योजना नहीं है। वन्यजीव से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो तेंदुए की तुलना में बाघों और इंसानों के बीच संघर्ष की घटनाएं बहुत कम होती हैं।जंगलों से सटे इलाकों में ऐसी घटनाएं कभी–कभार होती रहती हैं, जबकि तेंदुए के हमले भी खूब हो रहे हैं। तेंदुए के हमले की ज्यादातर घटनाएं तराई क्षेत्र में हो रही हैं।बाघ, तेंदुए और इस नस्ल के अन्य जंगली जानवर लंबी घास में रहना पसंद करते हैं। यह घास गन्ने के समान होती है। इसी वजह से तेंदुओं ने गन्ने के खेतों को अपना स्थाई ठिकाना बनाना शुरू कर दिया है।कतर्नियाघाट में बढ़े बाघ व तेंदुआ कतर्निया घाट वन्यजीव विहार में जहां पहले महज 30 बाघ थे वहीं अब 59 है। वहीं तेंदुआ भी 150 से अधिक है। यहां जंगल में कई गांव आसपास बसे हैं। जंगल में जानवर तो बढ़े हैं लेकिन क्षेत्रफल उतना ही है। इसी का नतीजा है कि जानवर आबादी की तरफ आकर हिंसक बन रहे है। बीते दो माह में यहां एक तेंदुआ ने ही हमला कर पांच लोगों को मौत के घाट उतारा था जबकि बाघ के हमले में भी एक की मौत हो गई है।190 की अनुमति, रह रही दो हजार आबादीवन विभाग से जुड़े सूत्रों की माने तो जंगल क्षेत्र में जो गांव है वहां सिर्फ 190 लोगों के रहने की अनुमति सरकार से है। लेकिन यहां करीब दो हजार से अधिक लोग रहते है।इससे इस आबादी का असर जंगली जानवरों पर पड़ रहा है। इसी के चलते यह जानवर हिंसक होकर इंसानों पर हमला कर रहे हैं। ऐसे इन हमलों को रोकने के लिए जंगल क्षेत्र में आबादी कम करने की जरूरत है।मादा तेंदुआ व बच्चे का हुआ नामकरणखैरीघाट थाना क्षेत्र में

जिस मादा तेंदुआ के हमले में चार लोगों की मौत हो गई थी उसे व उसके शावक को लखनऊ चिड़िया घर भेजा गया है। प्रभारी डीएफओ आकाश दीप बधावन ने मादा तेंदुआ का नाम मिहिका व उसके शावक का नाम मोहित रखा है। डीएफओ ने बताया कि यह मिहींपुरवा तहसील क्षेत्र में सक्रिय थे इसी के चलते उनका यह नाम रखा गया है।जंगली हाथियों के झुंड अपने निर्धारित कॉरीडोर पर विचरण करते हैं। लेकिन अब उनके कारीडोर के बीच इंसानों द्वारा खेत और मकान बना लिए हैं। जिस कारण मानव और जंगली हाथियों में संघर्ष की स्थिति उत्पन्न होती है, और किसानों की फसलों का नुकसान होता है। इसके अलावा आमतौर पर शांत स्वभाव, शर्मीले और मनुष्य से हमेशा दूरी बनाकर रखने वाले टाइगर भी अब जंगल में बढ़ती दखल ंदाजी, वन मार्गों पर बढ़ते ट्रैफिक के दबाव के कारण आक्रामक हो रहे हैं।भगवानदास लखमानी, अध्यक्ष, कतर्नियाघाट फ्रेंड्स क्लबजंगल में बढ़ती आबादी के चलते वन्यजीव हिसंक हो रहे है। वन्यजीव की सुरक्षा व उन्हें हिसंक होने से रोकने के लिए जंगल से सटे इलाकों से इंसानी आबादी कम करने की जरूरत है।

200 करोड़ से बनेगा कोठारी बंधुओं की स्मृति में शौर्य भवन

संवाददाता

गोंडा। श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले कोठारी बंधुओं की स्मृति में अयोध्या से सटे महेशपुर में शौर्य भवन का निर्माण कराया जाएगा। जिले की तरबगंज तहसील और नवाबगंज थाना क्षेत्र में महेशपुर ग्राम पंचायत में राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे भूमि भी चिह्नित कर ली गई है।200 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस शौर्य भवन के लिए एक लाख वर्ग फीट जमीन खरीदी गई है। समाजसेवियों के सामूहिक योगदान से निर्मित ये भवन धर्मशाला जैसा होगा। आठ दिसंबर को जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज सहित देश के नामी हस्तियों की उपस्थिति में भूमि–पूजन व शिला न्यास किया जाएगा।विश्व हिन्दू परिषद के वरिष्ठ नेता दिवाकर सोमानी ने बताया कि 30 अक्तूबर 1990 को कारसेवा के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले राम कोठारी व शरद कोठारी की स्मृतियों को संजोने के लिए संत महंत व उद्योग पतियों के सहयोग से शौर्य भवन का निर्माण कराया जाएगा। शौर्य भवन में दो बड़े सत्संग भवन बनाए जाएंगे। जहां 24 घंटे प्रभु श्रीराम का भजन व श्रीरामचरित मानस का पाठ होगा। भवन की दीवारों पर कोठारी बंधुओं के जीवनकाल से जुड़ीं यादों का चित्रण होगा। आधुनिक सुविधाओं से लैस होगी धर्मशालादेश व विदेशों से आने वाले यात्रियों के लिए शौर्य भवन के अंदर धर्मशाला का निर्माण कराया जाएगा, जिसमें 400 एसी व नॉन–एसी कमरे बनाए जाएंगे। वीआईपी के लिए अलग से विशेष कक्ष बनाए जाएंगे। दो भोजनालय का निर्माण होगा, जिसमें दानदाताओं के सहयोग से सतत भंडारा चलेगा। एक लाख पुस्तकों की क्षमता वाला पुस्तकालय का निर्माण होगा।इन उद्योगपतियों का रहेगा विशेष सहयोग आदित्य बिलड़ा ग्रुप के पद्मश्री राजश्री बिड़ला, श्रीसीमेंट लिमिटेड व बांगड़ सीमेंट के मालिक हरिमोहन बांगड़, डी–मार्ट के चेयर मैन राधा किशन दम्मानी, सोलर इंडस्ट्रीज लिमि टेड के सत्यनारायण नुवाल, टेग्रोस ग्रुप के चेयरमैन देव किशन झंवर, व्यवसायी वंशीलाल राठी, संगम इंडिया लिमि टेड के राम पाल सोनी का विशेष सहयोग रहेगा। शौर्य भवन का भूमि पूजन कलशौर्यभवन का भूमि पूजन शुक्रवार को पद्मविभूषण जगतगुरु रामभ द्राचार्य कराएंगे।

रोजगार मेला' का आयोजन 11 दिसम्बर को

जौनपुर 08 दिसम्बर जिला सेवायोजन अधिकारी ने अवगत कराया है कि शासन के निर्देश पर 'मिशन रोजगार कार्यक्रम' के अन्तर्गत सेवायोजन विभाग के द्वारा 11 दिसम्बर 2023 को प्रातः 10:00 बजे जिला सेवायोजन कार्यालय जौनपुर में रोजगार मेला' का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें निजी क्षेत्र की 05 से अधिक कम्पनियॉ के द्वारा प्रतिभाग कर युवाओं को रोजगार प्रदान किया जायेंगा रोजगार मेले में हाईस्कूल, स्नातक, परास्नातक, एवं जिनकी आयुसीमा 18 से 35 वर्ष तक अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते है। रोजगार मेले में युवाओं की कैरियर कॉउन्सिलिंग एवं स्वरोजगार योजना की जानकारी दिया जायेंगा। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि इस रोजगार मेला में सम्मिलित होकर बेरोजगार छात्र–छात्राएँ अधिक से अधिक लाभ उठाएं एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें तथा रोजगार मेले में अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति आई0डी पूफ़ सहित प्रतिभाग कर सकते है।

सड़क हादसों में तीन युवकों की मौत

संवाददाता

करनैलगंज (गोंडा)। जिले के अलग–अलग थानाक्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में तीन युवकों की मौत हो गई। थाना तरबगंज क्षेत्र के उमरी बेगमगंज मार्ग ढेकिया नाला पुल के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो दोस्तों की जान चली गई।जबकि करनैलगंज कोत वाली क्षेत्र के मसौलिया गांव में ट्रैक्टर –ट्रॉली की टक्कर से डीसीएम सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना पर मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया।पूर्व प्रधान प्रतिनिधि बेलसर रज्जन बाबा के अुनसार, उमरी बेगमगंज के जफ रापुर बरई पुरवा निवासी शिव बहादुर का बेटा विनोद (38) अपने दोस्त डिक्सिर निवासी रामधन जाय सवाल के बेटे अशोक (32) के साथ बुधवार सुबह बाइक से किसी काम से मुख्या लय गया था। दोपहर करीब तीन बजे दोनों लौट रहे थे।बेलसर–उमरी बेगमगंज मार्ग पर ढेकिया पुल के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में जोर दार टक्कर मार दी। हादसे मे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को एंबुलेंस से सीएचसी बेलसर भिज वाया गया, जहां चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। अशोक की मां सोना ने थाना तरबगंज में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही समेत विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रभारी निरीक्षक शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि हादसे के वक्त दोनों ने हेलमेट नहीं पहन रखा था। सिर में गंभीर चोट लगने से दोनों की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं, करनैलगंज में ग्राम मसौलिया स्थित पेट्रोल पंप के सामने मंगल वार रात करीब दस बजे डीसी एम की गन्ना लदी ट्रैक्टर– ट्रॉली से भिड़ंत हो गई। हादसे में डीसीएम चालक बबलू (40) निवासी ग्राम कादीपुर और डीसीएम में सवार कमलू पांडेय (30) ग्राम कटहवा बनगांव थाना कटरा बाजार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में डीसीएम भी क्षतिग्रस्त हो गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को सीएचसी करनैलगंज पहुंचाया, जहां कमलू पांडेय को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि बबलू को नाजुक हालत में मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर– ट्रॉली छोड़कर भाग निकला। कोतवाल हेमंत कुमार गौड़ का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

अलीगढ। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ नर्सिंग द्वारा हृदयाघात के मामलों को डॉक्टर तक पहुँचने से पहले प्रबंधित करने के लिए जनता को प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालने के उद्देश्य से नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) द्वारा अग्रेषित कार्डियो–पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अपने संबोधन में कॉलेज की प्राचार्या, प्रोफेसर फरहा आजमी ने कहा कि सीपीआर एक विशेष तक नीक है जिसका उपयोग दिल का दौरा पड़ने वाले व्यक्ति के दिल की मांसपेशियों को दबाकर उसे कुछ राहत देने और अस्पताल पहुंचने तक जीवित रहने में मदद करने के लिए किया जाता है।

प्रश्नोत्तरी व निबंध प्रतियोगिता में बभनान का दबदबा

संवाददाता

बलरामपुर । एलबीएस पीजी कॉलेज सभागार में बुधवार को यूपी

संत कबीर अकादमी संस्कृति विभाग और एलबीएस पीजी कॉलेज हिंदी विभाग की ओर से श्कबीरी निर्गुण उत्सव एवं प्रतियोगिताश का आयोजन किया गया। मंडल स्तरीय अंतर महा विद्याल यीय प्रश्नोत्तरी और निबंध लेखन प्रतियोगिता में आचार्य नरेंद्र देव किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बभनान का दबदबा रहा है।कार्यक्रम संयो जक प्रो. शैलेंद्र नाथ मिश्र व मीडिया प्रभारी प्रो. शिवशरण शुक्ल ने बताया कि अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिता में बभनान आचार्य नरेंद्र देव किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलरामपुर एमएलकेपीजी कॉलेज, एमएसआईटी और आयोजक गोंडा श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के 32 विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बभनान के आशीष कुमार शुक्ला ने प्रथम तो एलबीएस पीजी कॉलेज के एमए तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी अभिषेक शुक्ला ने द्वितीय स्थान पर कब्जा जमाया है, जबकि तीसरे स्थान पर भी बभनान के बीएड छात्र आशुतोष मिश्रा काबिज रहे। निबंध लेखन प्रति योगिता में बभनान के आशीष कुमार शुक्ला प्रथम, बलरामपुर के एमए तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी अतुल मिश्र द्वितीय और एलबीएस के एम. ए. तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी सूरज तिवारी ने तृतीय स्थान हासिल किया है। आयोजन प्रभारी प्रो. जयशंकर तिवारी व प्राचार्य प्रो. रवींद्र पांडेय ने प्रतिभागियों की हौसला अफजाई की। इस दौरान प्रो. मंशा राम वर्मा, जेबी पाल, डॉ. जितेंद्र सिंह, अच्युत शुक्ला, वंदना भारतीय, पवन कुमार सिंह, डॉ. हरीश शुक्ला, पूजा यादव और डॉ. मुक्ता टंडन समेत अन्य शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे।प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार के लिए क्रमशः एमएलके कॉलेज बलर ामपुर के एमए द्वितीय सेमेस्टर के प्रतिभागी अतुल मिश्रा और एलबीएस कॉलेज बीए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा शक्ति पांडेय को घोषित किया गया। निबंध लेखन में एमए प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थी जीतेशकांत पांडेय, बीए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा दीप्ति और बीए पंचम सेमेस्टर के छात्र देवेश पांडेय को सांत्वना पुरस्कार दिया गया है।

सीएसआईआर-सीडीआरआई लखनऊ ने परिसर के भीतर एक शिशु देखभाल गृह गुलमोहर का उद्घाटन किया

सीएसआईआर-सीडीआरआई लखनऊ ने शिशु देखभाल गृह गुलमोहर का उद्घाटन किया: सरल होगा युवा माता-पिता के लिए कार्य-जीवन संतुलन करना

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सीएसआईआर–सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीडीआरआई)की निदेशक डॉ राधा रंगराजन ने उत्साह के साथ परिसर के भीतर एक अत्याधुनिक शिशु देखभाल गृह ष्गुलमोहरष् के उद्घाटन किया। इस दूरदर्शी परियोजना का उद्देश्य कामकाजी युवा माता–पिता, विशेषकर महिला शोधकर्ताओं को उनके बच्चों के लिए एक सुरक्षित एवं समृद्ध वातावरण प्रदान करके उन्हें सहयोग प्रदान करना है।

ष्गुलमोहरष् को एक समावेशी और सहायक कार्यस्थल के रूप में स्थापित करना सीएसआईआर–सीडीआरआई की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सीएसआईआर–सीडीआरआई की निदेशक डॉ. राधा रंगराजन ने उद्घाटन समारोह के दौरान महिलाओं को सशक्त बनाने एवं स्वस्थ कार्य–जीवन संतुलन सुनिश्चित करने में ऐसी सुविधाओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपनी खुशी और उत्साह व्यक्त किया।

उद्घाटन समारोह में निदेशक महोदया के साथ अनेक वैज्ञानिक, शोधकर्ता प्रशानिक अधिकारी भी उपस्थित रहे, जिनमें डॉ. रितु त्रिवेदी, डॉ. शुभा शुक्ला, श्री भास्कर देउरी एवं रश्मी राठौड़ तथा कई अन्य वैज्ञानिक एवं अभिभावक शामिल थे, जिन्होंने सामूहिक रूप से गुलमोहर का उद्घाटन किया, जो इस पहल को बनाने में किए गए सहयोगात्मक प्रयास का प्रतीक है।

गुलमोहर की सेक्रेटरी डॉ. शुभा शुक्ला ने कहा कि यह शिशु देखभाल गृह बच्चों की देखभाल के लिए सर्वोचित वातावरण प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता के साथ खड़ा है। इस गृह में माता–पिता और बच्चों दोनों की जरूरतों को पूरा करने के लिए कई प्रकार की सुविधाएं और विशेषताएं हैं। शिशु देखभाल गृह का निर्माण सुविधाजनक एवं सुरक्षा को ध्यान मे रखते हुए सीडीआरआई परिसर के भीतर ही किया गया है, गुलमोहर कामकाजी माता–पिता के लिए आसान पहुंच सुनिश्चित करता है, गुलमोहर बच्चों के बढ़ने एवं सीखने के लिए एक सकारात्मक और देखभाल करने वाली जगह की गारंटी देता है । देखभाल गृह की नीतियों को पारदर्शी रखा गया है, जो माता–पिता एवं कर्मचारियों के बीच परस्पर विशवास को बढ़ावा देता है। बाल–केंद्रित तथा आयु–विशिष्ट पाठ्यक्रम के साथ, गुलमोहर प्रत्येक बच्चे के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करता है। शिशु देखभाल गृह में योग्य, समर्पित एवं पेशेवर सहायक कार्यरत हैं जो सर्वोत्तम देखभाल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गुलमोहर एक ही स्थान पर सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करता है।

गुलमोहर की चेयरपरसन डॉ. ऋतु त्रिवेदी ने बताया की कि शिशु देखभाल गृह मे विभिन्न आयु समूहों के अनुकूल विभिन्न गतिविधियों की उपस्थित है, जिसमें शारीरिक गतिविधियां, शांत समय (नींद का समय), दैनिक स्टोरीबुक सत्र, समूह और व्यक्तिगत गतिविधियां और आराम की अवधि शामिल हैं। विशेष रूप से, गतिविधियों को विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। गुलमोहर में कुछ लोकप्रिय गतिविधियों में पेंटिंग, कल्पनाशील खेल, कहानी का समय, ब्लॉक ट्वायज, झूले, संगीत तथा नृत्य जैसे अन्य आकर्षक गतिविधियां शामिल हैं जो बच्चों के समग्र विकास के लिए जरूरी हैं।

पढ़ाई करते समय ही लक्ष्य निर्धारित करें : मीरा गुप्ता

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। आज सनातन धर्म इंटर कॉलेज हरदोई में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार के कार्यक्रम में जिला सेवा योजना कार्यालय हरदोई द्वारा कक्षा 11 व 12के छात्रों को प्री प्लेसमेंट गाइडेंस काउंसलिंग सेशन के बारे में सहायक अधिकारी प्रियंक अग्रवाल ने बताया कि परीक्षा पास करने के बाद क्या करना चाहते हैं?अभी से तैयारी करें तथा जिला रोजगार कार्यालय में रजिस्ट्रेशन कराये। नेशनल सर्विस पोर्टल तथा पोर्टल से जुड़े जिला सेवायोजन अधिकारी मीरा गुप्ता कहा कि पढाई करते ही उद्देश्य बनाये कि हमें क्या बनना है। कोशिश करने वालों की हार नहीं होती आप डाक्टर इंजीनियर चार्टेड एकाउंटेंट कम्पनी सेकेरेटरी प्रशासनिक अधिकारी बन सकते हैं। सहायक एस के गुप्ता कहा कार्यालय में एस सी ओ बी सी एस टी लेवल 3 व 4की फ्री कोचिंग होती है आपलोग पढ़ सकते हैं इस अवसर पर राजबीर सिंह वीरभानु सिंह ,सत्यम दीक्षित सर्वेश शुक्ल स्वतन्त्र आदि शिक्षक उपस्थित रहे अन्त में प्रधानाचार्य दिवाकर ने सेवा योजना अधिकारी तथा उनके साथ आते साथियों किया आभार व्यक्त किया तथा छात्रों से कहा अपना भविष्य उज्जवल बनाये।

प्रभावशाली बिल्डर के खिलाफ मुकदमा कायम पहुंचा सलाखों के पीछे

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष डॉ इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा शहर में चल रहे अवैध निर्माणों के खिलाफ लगातार कार्यवाई के

आदेशों के ब–वजूद भी जे ई,ए ई द्वारा शिथिलता एवं लापरवाई बर्तना इनकी फितरत में जहाँ आम बात है या यूँ कहें कि रच बस चुकी है। वही प्रवर्तन जोन–6 में तैनात अवर अभियंता इम्तियाज अहमद द्वारा वीसी के आदेशों का सम्मान रखते हुए 1997 में हुआ एफ– आई बिल्डर द्वारा अवैध एफ–आई टॉवर निर्माण के विरुद्ध, एफ–आई निदेशक बिल्डर मोहसिन इकबाल पुत्र इकबाल पर अपराध पंजीकृत कर जेल भेजने की कार्रवाई कर शहर में चल रहे अवैध रूप से निर्माण कर्ताओं में हड़कंप मचा दिया है। ज्ञाताव्य है अवर अभि यंता इम्ति याज अह मद द्वारा जहाँ एक बड़े बिल्डर पर निष्पक्ष कार्रवाई कर एलडीए विभाग में तैनात अवर अभियंताओं को आईना दिखाया तो दूसरी तरफ इम्तियाज अहमद की कार्य शैली से शहर के लोगों का विश्वास जागा। वहीं अवैध निर्माण कर्ताओ द्वारा इम्तियाज के विरुद्ध षणयंत्र रचना भी शुरू हो गए। वहीं लोगों में यह भी विश्वास जागा है कि अब विकास प्राधिकरण से न्याय की उम्मीद की जा सकती है।अवर अभियंता द्वारा निष्पक्ष कार्रवाई से जहाँ शहर में चल रहे अवैध निर्माण तथा कथित बिल्डरों में हड़ कंप मच गया है। तो वहीं अवैध रूप से निर्माण कर रहे कथित निर्माण कर्ताओं ने अवर अभियंता के खिलाफ षणयंत्र करना एवं प्रचार करना शुरू कर दिया है और दावा कर रहे हैं कि जल्दी अवर अभियंता को प्रवर्तन जोन–6 से रवाना कर दिया जाएगा। कथित निर्माणकर्ता सत्ता के दम पर अवर अभियंता को चलता करने पर लग गए हैं। मालूम हो कि एलडीए प्रवर्तन जोन–6 में तैनात अवर अभियंता इम्तियाज अहमद ने चर्चित एफ–आई बिल्डर पर कार्रवाई कर मुक दमा पंजीकृत कराया है।आरोप है कि बिल्डर ने नियमों को धता बताते हुए कानून को किनारे कर बहु मंजिला इमारत का निर्माण कर वाया। शिका यत मिलने के बाद एलडीए ने मामले को संज्ञान में लिया और जांच के बाद कैसरबाग कोत वाली में बिल्डरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी। अवर अभियंता इम्तियाज अहमद ने पत्र कारों को बताया कि 18 फरवरी 1997 में एफ–आई बिल्डर निदेशक मोहसिन इकबाल,भाई सिराज और सहयोगी माइकल पॉल को कैसरबाग इलाके में 23 हजार वर्ग मीटर जमीन पर अपार्टमेंट बनाने की स्वीकृति दी गई थी।उन्होंने बताया कि एफ–आई बिल्डर को 6 मंजिला इमारत में 72 फ्लैट बनाने थे। लेकिन जब निर्माण कार्य हुआ तो नियमों की अनदेखी कर आठ मंजिला इमारत खड़ी कर दी गई, टैरिस पर पेंटाहाउस भी बना दिया। इसके साथ ही नियमा नुसार छोड़े जाने वाले सैटबैक पर आंशिक निर्माण करा लिया। जबकि इसकी स्वीकृति लखनऊ विकास प्राधिकरण ने नहीं दी थी। कैसरबाग प्रभारी निरीक्षक सुधाकर सिंह ने बताया कि एलडीए के अवर अभियंता की तहरीर पर बिल्डरों पर धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार कर इस्तेमाल करने एवं साजिश रचने की धारा में एफआईआर दर्ज हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि एलडीए विभागीय स्तर पर की गई जांच से संबंधित दस्तावेज पुलिस को उपलब्ध करा दिए गए हैं। इसके बाद कैसर बाग पुलिस ने मोहसिन इकबाल को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई कर दी है। एलडीए की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे में बताया गया,कि जब विकास प्राधिकरण को अवैध निर्माण कार्य व मानकों को ताख पर रख कर बनाई गई इमारत की जानकारी मिली तो एफ–आई बिल्डर को नोटिस जारी की गई, लेकिन बिल्डर ने नोटिस का कोई जबाव नहीं दिया। विकास प्राधिकरण के अवर अभियंता की तहरीर पर बिल्डरों पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई करदी है।

यूपी में 10 कंपनियां करेंगी 1.11 लाख करोड़ का निवेश, तैयारियों में जुटी सरकार

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा निर्देशन में सरकार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) के प्रथम फेज की तैयारी में जुटी हुई है। फरवरी में हुए यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स के बाद अबतक यूपी को 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। वहीं, जीबीसी के पहले फेज में सरकार और उद्यमी 13 लाख करोड़ से अधिक के निवेश को धरातल पर उतारने के लिए तैयार हैं। प्रथम फेज में निवेश के मामले में जिन टॉप 10 कंपनियों की चर्चा हो रही है, उनमें टाटा, हीरानंदानी, टस्को, ग्रीनको जैसे दिग्गजों के नाम शामिल हैं। ये कंपनियां प्रदेश के अंदर डेटा सेंटर, रिटेल मार्ट, स्किल डेवलपमेंट और ऊर्जा जैसे सेक्टर में निवेश करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जीबीसी के प्रथम फेज में सबसे बड़े निवेश के तौर पर एनआईडीपी डेवल पर्स प्राइवेट लिमिटेड (हीरानंदानी) ग्रुप की ओर से गौतमबुद्ध नगर में डेटा सेंटर पार्क के निर्माण में होने जा रहा है। 30 हजार करोड़ का ये निवेश यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में स्थापित करने की तैयारी है। वहीं, 27 हजार करोड़ से अधिक का निवेश एनटीपीसी लिमिटेड की ओर से किया जाना है। एनटीपीसी प्रदेश में ऊर्जा सेक्टर में दो संयंत्र स्थापित करने के लिए तैयार है। इनमें एक झांसी में और दूसरा सोनभद्र में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए सोनभद्र के ओबरा में सुपर थर्मल पावर प्लांट की स्थापना के लिए यूपी राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि. बोर्ड से अनुमोदन भी प्राप्त हो चुका है। इसके साथ ही 17 हजार करोड़ से अधिक की परियोजना ग्रीनको कंपनी की ओर से सोनभद्र में स्थापित होने जा रही है। ऑफ स्ट्रीम क्लोज लूप पंप स्टोरेज परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण

की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। इसी प्रकार 8 हजार करोड़ की परियोजना सिफी इनफिनिट स्पेस लिमिटेड की ओर से धरातल पर उतारी जा रही है। ये प्रोजेक्ट आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स में है, जिसे नोएडा में डेटा सेंटर की स्थापना हो रही है। ये परियोजना निर्माणाधीन है। इसके अतिरिक्त 7500 करोड़ की परियोजना एम3एम इंडिया प्रा लिमिटेड की ओर से नोएडा में लगने जा रही है।

80 मदरसों में 100 करोड़ से ज्यादा की विदेशी फंडिंग

संवाददाता

लखनऊ। यूपी में मदरसों में विदेशी फंडिंग मामले में जांच को लेकर सियासत शुरू हो गई। सूत्रों के मुताबिक, जब तीन सदस्यीय एस आईटी की जांच में सामने आया है कि करीब 80 मदरसा ऐसे हैं, जिन्हें विदेश से करीब 100 करोड़ रुपए की फंडिंग की बात सामने आई। इसके बाद एसआईटी ने नेपाल सीमा और पश्चिमी यूपी के मदरसों (श्रावस्ती, बहराइच, सिद्धार्थ नगर, मुरादा बाद, रामपुर, अलीगढ़ सहारन पुर, देवबंद और आजमगढ़ आदि) से हिसाब मांगा है। वहीं, इसकी जांच रोकने को लेकर सियासत तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. इफ्तिखार अहमद जावेद ने आपत्ति जताते हुए कहा है कि मदरसों में अभी कंपार्टमेंट का परीक्षाफल घोषित किया जाना है। बोर्ड के फार्म भरे जा रहे हैं। मदरसों में जांच होने से महत्वपूर्ण कार्य तथा पठन–पाठन प्रभावित हो जाएगा। इसलिए जांच प्रकिया स्थगित कराते हुए परीक्षा कार्य को सर्वोत्तम वरीयता दिलाई जाए। इसके लिए उन्होंने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री धर्मपाल सिंह से मिलकर उन्हें पत्र सौंपा और जांच बोर्ड परीक्षा के बाद कराने की बात कही है। एसआईटी, टीम का कहना है कि मदरसों की फंडिंग की जांच की जा रही है। जिसमें विदेशी फंडिंग से लेकर अन्य तरह के आय के अन्य स्रोत के बिंदु पर पड़ताल हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, योगी सरकार ने जिला मजिस्ट्रेटों को बीते साल ही सर्वे के निर्देश दिए थे। तब दो महीनों तक चले सर्वे में पता लगा था कि 8449 बिना मान्यता के चल रहे हैं।

यूपी में छह आईएएस अफसरों का तबादला, विजय किरन को कुंभ मेला की जिम्मेदारी

संवाददाता

लखनऊ। लंबे समय से प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को संभाल रहे महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरन आनंद को प्रदेश सरकार ने स्थानांतरित कर कुंभ मेला अधिकारी प्रयाग राज के पद पर भेज दिया है। उनके स्थान पर महानिरीक्षक निबंध उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी संभाल रही 2005 बैच की आईएएस अधिकारी कंचन वर्मा को प्रदेश का नया महानिदेशक स्कूल शिक्षा नियुक्त किया गया है। विजय किरण आनंद को बेसिक शिक्षा विभाग में तैनाती के दौरान उन पर आदेशों को लेकर कई बार शिक्षकों की नाराजगी का भी सामना करना पड़ा है। मौजूदा समय में प्रदेश में चल रही 69000 शिक्षक भर्ती प्रक्रिया के विवाद के गहराने और उसे सही से ना संभालने पर भी उन पर लगातार दबाव था।बीते साल हुए शिक्षकों के ट्रांसफर और प्रमोशन सहित कई ऐसे मामले थे जब महा निदेशक की कर प्रणाली पर शिक्षकों द्वारा सवाल उठाया जा चुका है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा की जिम्मेदारी संभालने के बाद विजय के आनंद ने बीते 31 जनवरी को एक आदेश जारी किया था। इस आदेश में उन्होंने बेसिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश के तहत संचालित विद्यालयों में कार्य शिक्षकों एवं शिक्षा पर कर्मचारियों के निलंबन के बाद बहाली तथा विद्यालय आवंटन ऑनलाइन करने का आदेश दिया था।आदेश के बावजूद भी इसका पालन नही हो पाया था जिसको लेकर पूरे प्रदेश में काफी बवाल हुआ था। वहीं मौजूदा समय में शिक्षकों के ऑनलाइन उपस्थिति को भी लेकर विवाद चल रहा है।शिक्षकों ने ऑन लाइन उपस्थिति के विरोध में कारवाई होने पर विभाग को मोर्चा खोलने तक की चेतावनी दे रखी है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि विजय किरन आनंद के महानिदेशक पद की हटाने से सरकार और शिक्षकों के बीच में बढ़ रहे तनाव को काम किया जा सकेगा।विजय आनंद की गिनती 2009 बैच के प्रदेश के तेज तर्रार आईएएस अफसर में होती है। वह मूल रूप से बेंगलुरु के रहने वाले हैं। विजय किरन आनंद की पहली पोस्टिंग बागपत जिले में एसडीएम के पद पर हुई थी।इसके बाद वह एसडीओ बाराबंकी बने फिर उन्हें बतौर डीएम शाहजहांपुर और वाराणसी में तैनाती मिली। इसके बाद वह महानिदेशक स्कूल शिक्षा और राज्य परियोजना के पद पर तैनात हुए।यहां से उन्हें स्थानांतरित कर मुख्यमंत्री के गए जनपद गोरख पुर का डीएम बनाया गया था। इसके बाद फिर से उन्हें दोबारा से बेसिक शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी सौंप गई थी।विजय किरन आनंद और कंचन मिश्रा के अलावा बुधवार की देर रात विशेष सचिव माध्यमिक शिक्षा डॉक्टर रुपेश कुमार को आईजी निबंध उत्तर प्रदेश, सुखलाल भारती विशेष सचिव कृषि उत्पादन आयुक्त शाखा को विशेष सचिव माध्यमिक शिक्षा बनाया गया है।अपर खाद्य आयुक्त उत्तर प्रदेश तथा सचिव सत कर्ता आयोग अनिल कुमार को प्रभारी आयुक्त एवं निबंधन सहकारी समितियां के पद पर भेजा गया है।

9 दिसम्बर को प्रदेश के समस्त भरण पोषण प्राधिकरणों में होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

संवाददाता

लखनऊ। आगामी 09 दिसम्बर, 2023 को उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा

प्राधिकरण द्वारा प्रदेश के सभी भरण पोषण प्राधिकरणों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। प्रमुख सचिव, गृह संजय प्रसाद ने प्रदेश के समस्त मण्डलायुक्त, जिला मजिस्ट्रेट, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक,पुलिस अधीक्षक, सभी पुलिस आयुक्तों, अपर पुलिस महानिदेशक, अभियोजन तथा अपर पुलिस महानि देशक, यातायात को सफल आयोजन हेतु आवश्यक निर्देश दिए है। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 9 दिसम्बर को प्रदेशभर में आयो जित राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रस्तुत किये जाने वाले विभिन्न प्रकरणों यथा समस्त प्रकार के शमनीय आपराधिक मामले, चेक बाउंस से सम्बन्धित धारा 138 का निस्तारण किया जायेगा। ए0एन0 आई0एक्ट,बैंक रिकवरी के वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर,श्रम वाद, बिजली एवं जल के बिल से सम्बन्धित शमनीय दण्ड वाद, वैवाहिक,पारिवारिक वाद, भूमि अधियाप्ति वाद, सेवा निवृत्त के परिलाभों सम्बन्धी मामले, राजस्व वाद एवं अन्य सिविल वादों से सम्बन्धित वाद आदि उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण किये जायेगे। निर्देशों में कहा गया है कि उक्त लोक अदालत की सफलता हेतु वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली के अधीन समझौते के आधार पर निपटाये जाने योग्य मामलों, वादो, अपीलों को चिन्हित किया जाय। साथ ही प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत के सम्बन्ध में वादकारियों को आदेशिकाओं एवं समन की तामील कराये जाने के सम्बन्ध में व्यवस्थित प्रणाली विकसित की जाय।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय चतुर्थ श्रेणी संविदा कर्मियों का धरना, प्रदर्शन

संवाददाता

लखनऊ। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय चतुर्थ श्रेणी संविदा कर्मचारी यूनियन उत्तर प्रदेश संबद्ध ऐक्टू के आह्वान पर आज प्रदेश भर से सैकड़ों की संख्या में कर्मचारियों ने ईको गार्डन में एकत्र होकर धरना प्रदर्शन कर अपनी मांगे उठाई।धरना स्थल पर सभा को संबोधित करते हुए ऐक्टू के प्रदेश अध्यक्ष विजय विद्रोही ने कहा कि यह श्रम और मेधा की लूट का दौर है। कल्याण कारी राज्य का ढिंढोरा पीटने वाली सरकार महीने भर के श्रम के बदले एक दिन के भोजन भर का वेतन नही दे रही है।

8 घंटे के काम, स्थाई करण, न्यूनतम वेतन ,समाजिक सुरक्षा, साप्ताहिक,आकस्मिक ,चिकि त्सीय, वार्षिक अवकाश, महिला कर्मचारियों को मातृत्व अवकाश हमने संघर्षों से हासिल किया था ,किंतु दिल्ली और प्रदेश में बैठी सरकारों ने प्रचलित कानूनों को तहस नहस कर दिया। 44 श्रम कानूनों को खत्म कर गुलामी के दस्तावेज के रूप 4 श्रम संहिताएं बनाई गई हैं जिन्हे सरकार अगर लागू कर पाई तो यूनियन बनाने ,आंदोलन करने तक का अधिकार नहीं रह जाएगा। सबसे पहला काम है कि मजदूर और कर्मचारी विरोधी पूंजी पति परस्त सरकारों को उखाड़ फेंकने में हुए अपनी भूमिका तय करनी चाहिए और देश में जारी श्रम अधिकारो को बचाने की लड़ाई का हिस्सा बनकर उसी में अपनी आवाज मिलाते हुए उस लड़ाई को ताकतवर बनाना होगा। यूनियन के अध्यक्ष आशुतोष मिश्र ने कहा कि हम सब बहुत विषम स्थिति और बेहद अपमान जनक मानदेय में कार्य करने के लिए विवस है। हम आज यहां अपनी बात सरकार तक पहुंचाने आए है कि विधि प्रदत्त अधिकारो का हनन अब बर्दास्त नही किया जायेगा । सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक वेतन देना ही होगा। राज्य सचिव देवेंद्र कुमार ने कहा कि सरकारें हमें कुछ देने के बजाय हमें सेवा से बाहर करने की जुगत में रहती हैं। हमें सरकार के हर पैंतरे का मुकाबले के लिए तैयार रहना चाहिए।

मुसलमान को आत्मनिर्भर बनना पड़ेगा, सांप्रदायिकता ने देश को नुकसान पहुंचाया : आशिद इशीदी

संवाददाता

लखनऊ। जमीयत उलेमा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष सैयद आशिद इशीदी की अध्यक्षता में इजलासे मजलिसे मुंताजिमा जमीयत, मध्य उत्तर प्रदेश का प्रशिक्षण शिविर हुआ। शिविर लखनऊ के सुन्नी इंटर कॉलेज विक्टोरियागंज में रखा गया। एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में जमीयत उमला की सोच और फिक्र कर प्रणाली की कार्य योजना को पेश किया गया। सामाजिक और मौजूदा हालात पर मुसलमानों को लेकर चर्चा की गई। शिविर में मौलाना अरशद मदनी भी पहुंचे हैं। प्रशिक्षण शिविर में कहा गया है कि मौजूदा हालात को देखते हुए मुसलमान को आत्मनिर्भर बनना पड़ेगा। क्योंकि जिस तरीके से सांप्रदायिकता ने अतीत में देश को नुकसान पहुंचाया है। इसकी बर्बादी आज भी हमारे सामने है। इसलिए मुसलमान को जागरूक भी रहना पड़ेगा। आगे पढ़ते हैं कि प्रमुख रूप से उलेमा द्वारा मुसलमान को लेकर प्रशिक्षण शिविर में दिए गए सुझाव क्या हैं?मुस्लिम समाज के सुधार के लिए संघर्ष करें, यह इस समय की सबसे महत्वपूर्ण जरूरत है। हर इकाई अपने दायरे में समाज सुधार कार्यक्रम को एक आंदोलन की तरह मोहल्ले में अपनी बात पहुं चाने का भरसक प्रयास करें। सांप्रदायिकता ने अतीत में देश को नुकसान पहुंचाया है और उसकी बर्बादी आज भीहमारे सामने हैं।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।